कानपुर, गुरुवार, 2 अप्रैल, 2026
वर्षः 03, अंकः 83, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड सोलर क्रांति में नंबर-1 बना उत्तर प्रदेश...>Pg12

हेल्थ सिस्टम में घुस गया 'मानव अंग माफिया'...>Pg03

मूल्यः ₹

'स्वस्थ शहर' की ओर बढ़े कदम

छोटी बीमारी में अब नहीं लगेगी लंबी कतार, हर 15 हजार आबादी पर मिलेगा प्राथमिक इलाज, जांच और विशेषज्ञ सलाह

स्वराज इंडिया ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के शहरी इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं की तस्वीर अब तेजी से बदलने जा रही है। योगी सरकार ने 'घर-घर इलाज' की अवधारणा को जमीन पर उतारते हुए 52 जिलों के 187 शहरों और कस्बों में 426 अर्बन आयुष्मान केंद्र खोलने का फैसला लिया है। यह पहल केवल एक स्वास्थ्य परियोजना नहीं, बल्कि शहरी जीवनशैली में स्वास्थ्य सुरक्षा का नया अध्याय साबित हो सकती है।

इन केंद्रों का मकसद साफ है कि लोगों को छोटी-छोटी बीमारियों के लिए बड़े अस्पतालों की भीड़ और खर्च से बचाना और उनके घर के पास ही गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराना। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, प्रत्येक केंद्र लगभग 15 हजार की आबादी को कवर करेगा। इससे शहरी गरीब और मध्यम वर्ग के लाखों परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा। अब तक शहरी क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की कमी के कारण लोगों को मामूली बुखार, खांसी, ब्लड प्रेशर या शुगर जैसी समस्याओं के लिए भी जिला अस्पतालों या निजी क्लीनिकों का सहारा लेना पड़ता था। इससे समय और पैसे दोनों की बर्बादी होती थी, लेकिन इन अर्बन आयुष्मान केंद्रों के शुरू होने से मरीज अपने ही इलाके में इलाज करा सकेंगे। इससे न केवल उनकी सुविधा बढ़ेगी, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच भी व्यापक होगी।

टेलीमेडिसिन से विशेषज्ञ इलाज होगा आसान

इन केंद्रों की सबसे खास बात यह है कि इन्हें टेलीमेडिसिन सुविधा से जोड़ा गया है। इसका मतलब यह है कि अगर किसी मरीज को विशेषज्ञ डॉक्टर की जरूरत होगी, तो उसे दूर शहरों के बड़े अस्पतालों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ऑनलाइन माध्यम से विशेषज्ञ डॉक्टरों से सलाह मिल सकेगी, जिससे इलाज तेज, सटीक और किफायती होगा। यह सुविधा खासकर बुजुर्गों और कामकाजी लोगों के लिए बेहद फायदेमंद साबित होगी। इन केंद्रों में केवल प्राथमिक इलाज ही नहीं, बल्कि 14 प्रकार की जरूरी जांच की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इससे मरीजों को बार-बार अलग-अलग लैब के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। ब्लड टेस्ट, शुगर, बीपी, यूरिन जैसी सामान्य जांचें एक ही स्थान पर होने से बीमारी की जल्दी पहचान संभव होगी और समय रहते इलाज शुरू किया जा सकेगा।

इलाज घर के दरवाजे तक

अर्बन आयुष्मान केंद्रों की यह पहल सिर्फ एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि 'स्वस्थ शहर' की दिशा में बड़ा कदम है। अगर इसका प्रभावी क्रियान्वयन हुआ, तो आने वाले समय में उत्तर प्रदेश के शहरी इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं की तस्वीर पूरी तरह बदल सकती है जहां इलाज दूर नहीं, बल्कि घर के दरवाजे तक पहुंचेगा।

बड़े अस्पतालों का दबाव होगा कम

प्रदेश में पहले से ही 22,681 आयुष्मान आरोग्य मंदिर संचालित हो रहे हैं, लेकिन शहरी आबादी के बढ़ते दबाव को देखते हुए यह विस्तार जरूरी था। नई व्यवस्था के लागू होने के बाद बड़े सरकारी अस्पतालों में मरीजों की भीड़ कम होगी। डॉक्टर गंभीर मरीजों पर अधिक ध्यान दे सकेंगे, जिससे उपचार की गुणवत्ता भी बेहतर होगी। महंगे निजी अस्पतालों के कारण अक्सर गरीब और मध्यम वर्ग के लोग समय पर इलाज नहीं करा पाते। कई बार बीमारी गंभीर हो जाती है। अर्बन आयुष्मान केंद्र इस समस्या का समाधान बनकर उभरेंगे। यहां मुफ्त या बेहद कम लागत में इलाज मिलने से आर्थिक बोझ भी घटेगा और लोगों का स्वास्थ्य स्तर बेहतर होगा।

- 52 जिलों के 187 शहरों-कस्बों में खुलेंगे 426 केंद्र
- हर केंद्र करीब 15,000 आबादी को देगा सेवा
- टेलीमेडिसिन से विशेषज्ञ डॉक्टरों की सलाह उपलब्ध
- 14 प्रकार की जांच एक ही स्थान पर
- बड़े अस्पतालों पर मरीजों का दबाव होगा कम
- शहरी गरीब और मध्यम वर्ग को मिलेगा सीधा लाभ

'प्राथमिक स्वास्थ्य' पर फोकस क्यों जरूरी?

भारत में अधिकांश बीमारियां शुरुआती स्तर पर ही ठीक हो सकती हैं, लेकिन समय पर जांच और इलाज न मिलने से वे गंभीर रूप ले लेती हैं। अर्बन आयुष्मान केंद्र प्राथमिक स्तर पर ही रोग पहचान कर इलाज शुरू करेंगे, जिससे गंभीर बीमारियों का खतरा घटेगा।

टेलीमेडिसिन से हेल्थ सिस्टम में क्या बदलाव?

टेलीमेडिसिन स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। इससे डॉक्टरों की कमी वाले क्षेत्रों में भी विशेषज्ञ सेवाएं पहुंचाई जा सकती हैं। यूपी का यह मॉडल भविष्य में पूरे देश के लिए एक उदाहरण बन सकता है।

क्या इससे निजी अस्पतालों पर असर पड़ेगा?

सरकारी स्तर पर सस्ती और सुलभ सेवाएं मिलने से छोटी बीमारियों के लिए निजी अस्पतालों पर निर्भरता कम होगी। हालांकि गंभीर मामलों में निजी अस्पतालों की भूमिका बनी रहेगी, लेकिन आम मरीजों का खर्च जरूर घटेगा।

चीनी मिल बिक्री घोटालाः 1000 करोड़ की संपत्ति जब्त

हाजी इकबाल घोषित भगोड़ा आर्थिक अपराधी

स्वराज इंडिया ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वर्षों पहले हुई चीनी मिलों की बिक्री अब एक बड़े आर्थिक अपराध के रूप में सामने आ रही है। प्रवर्तन निदेशालय की लखनऊ इकाई ने सहारनपुर के कारोबारी और पूर्व बसपा एमएलसी हाजी मोहम्मद इकबाल के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करा लिया है।

विशेष अदालत द्वारा 31 मार्च 2026 को पारित आदेश में इकबाल से जुड़ी तीन प्रमुख चीनी मिलों–बैतलपुर (देवरिया), भटनी (देवरिया) और शाहगंज (जौनपुर) को जब्त करने का निर्देश दिया गया है। इन मिलों की कुल कीमत करीब 1000 करोड़ रुपये आंकी गई है। ईडी की जांच में सामने आया है कि इन चीनी मिलों की बिक्री में भारी अनियमितताएं और वित्तीय गड़बड़ियां

➪ ईडी की बड़ी कार्रवाई तीन चीनी मिलें कुर्क, वर्षों पुराने सौदे में भ्रष्टाचार की परतें खुलीं

की गई थीं। आरोप है कि सरकारी संपत्तियों को कम कीमत पर बेचकर निजी लाभ कमाया गया और धन को अवैध तरीके से इधर-उधर किया गया।

जांच एजेंसी के मुताबिक, हाजी इकबाल लंबे समय से जांच से बचते रहे और अदालत में पेश नहीं हुए। इसके चलते उन्हें भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने की प्रक्रिया शुरू की गई, जिसे अब अदालत ने मंजूरी दे दी है। इस कार्रवाई के बाद उनकी देश-विदेश में मौजूद अन्य संपत्तियों पर भी शिकंजा कसने की तैयारी है। यह मामला केवल एक कारोबारी तक सीमित नहीं माना जा रहा है, बल्कि इसमें बड़े स्तर पर मिलीभगत और सिस्टम की कमजोरियों के संकेत भी सामने आ रहे हैं। चीनी मिलों की बिक्री को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं, लेकिन अब श्रेष्ठ की जांच ने इन आरोपों को अब ठोस आधार दिया है।

क्या है फ्यूजिटिव इकोनॉमिक ऑफेंडर कानून?

फ्यूजिटिव इकोनॉमिक ऑफेंडर एक्ट के तहत ऐसे आरोपियों को भगोड़ा घोषित किया जाता है, जो आर्थिक अपराध कर देश छोड़ देते हैं और अदालत में पेश नहीं होते। इस कानून के तहत उनकी संपत्तियां जब्त कर ली जाती हैं, ताकि नुकसान की भरपाई हो सके और अपराधियों पर दबाव बनाया जा सके।

चीनी मिल बिक्री में कहां हुई गड़बड़ी?

विशेषज्ञों के अनुसार, कई चीनी मिलों को उनकी वास्तविक कीमत से काफी कम दरों पर बेचा गया। टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी, राजनीतिक प्रभाव और निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाने के आरोप लगातार लगते रहे हैं। श्रेष्ठ की जांच ने इन आरोपों को अब ठोस आधार दिया है।

खबरः एक नजर में...

- हाजी मोहम्मद इकबाल को अदालत ने घोषित किया भगोड़ा आर्थिक अपराधी
- तीन चीनी मिलों की जब्ती कुल कीमत लगभग 1000 करोड़ रुपये
- देवरिया और जौनपुर की मिलें शामिल
- ईडी को बिक्री में बड़े घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग के सबूत
- अन्य संपत्तियों पर भी जल्द कार्रवाई संभव
- सरकारी संपत्तियों की बिक्री प्रक्रिया पर उठे गंभीर सवाल

की कार्रवाई ने पूरे प्रकरण को नए सिरे से चर्चा में ला दिया है। सरकारी एजेंसियों का मानना है कि इस कार्रवाई से न केवल आर्थिक अपराधियों पर सख्ती का संदेश जाएगा, बल्कि सार्वजनिक संपत्तियों के दुरुपयोग पर भी अंकुश लगेगा। यह मामला अब उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े आर्थिक घोटालों में शामिल होता दिख रहा है, जिसमें आने वाले समय में और बड़े खुलासे होने की संभावना है।

नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय का कड़ा एक्शन, ठेकेदार पर 11 लाख जुर्माना

» नगर निगम के ढीले अधिकारियों को फटकार

» बरसात से पहले नालों पर सख्ती, अधूरे काम पर सख्त निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शहर की बदहाल व्यवस्थाओं और धीमे विकास कार्यों पर नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने सख्त तेवर दिखाए हैं। जोन 6 में निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आए और मौके पर ही अधिकारियों व ठेकेदारों की जिम्मेदारी तय कर दी।गुरूदेव चौराहा से चिड़ियाघर मार्ग तक चल रहे सीएम ग्रिड परियोजना के कार्यों में भारी लापरवाही मिलने पर नगर आयुक्त ने कड़ा कदम उठाते हुए फर्म मे0 एसएस इन्फ्राजोन प्रा0लि0 पर 11 लाख रुपये का जुर्माना ठोंक दिया। साथ ही जोनल अभियंता-6 को

कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में पाया गया कि 2700 मीटर लंबी सड़क पर कार्य बेहद धीमी गति से चल रहा है, बैरिकेडिंग न के बराबर है और सुरक्षा मानकों की खुलकर अनदेखी की जा रही है।बरसात से पहले नाले और सड़कें दुरुस्त करने के निर्देश

नगर आयुक्त के इस एक्शन से साफ संकेत मिल गया है कि अब लापरवाह अधिकारियों और ठेकेदारों पर सीधे कार्रवाई होगी और शहर की व्यवस्था सुधारने में कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी।नगर आयुक्त ने साफ चेतावनी दी कि कार्य की यही गति रही तो जिम्मेदार अधिकारियों पर और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी कार्यों की समयसीमा तय करते हुए अगस्त 2026 तक हर हाल में

चिंता जताई। नाले के गेट का बेस 1.50 मीटर ऊंचा होने से पानी का बहाव रुकने और आसपास के क्षेत्रों के डूबने की समस्या सामने आई। इस पर नगर आयुक्त ने जल निगम अधिकारियों को तत्काल बैठक कर समाधान निकालने के निर्देश दिए।इसके अलावा बगिया क्रासिंग कल्याणपुर से केसा कार्यालय तक बन रही सीएम ग्रिड सड़क का निरीक्षण किया गया, जहां कार्य संतोषजनक मिला। नगर आयुक्त ने निर्देश दिए कि 15 जून 2026 तक हर हाल में कार्य पूरा कर सड़क जनता के लिए खोल दी जाए।निरीक्षण के दौरान माता स्वरूप रानी मार्ग, नवाबगंज, कर्बला चौराहा, गंगा बैराज, जीटी रोड, काकादेव, हैलट समेत कई प्रमुख क्षेत्रों में भी खामियां मिलने पर संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही फटकार लगाई गई।

सड़क निर्माण पूरा कराने के निर्देश दिए।वहीं, परमियॉ नाले का निरीक्षण करते हुए नगर आयुक्त ने बरसात में होने वाले जलभराव पर

पनकी फ्रेट टर्मिनल पर आईआरएमएस अधिकारियों ने किया शैक्षिक भ्रमण

निजी भागीदारी से रेलवे लॉजिस्टिक्स को मिल रही नई रफ्तार प्रशिक्षणार्थियों ने जानी संचालन की बारीकियां

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। भारतीय रेल परिवहन प्रबंधन संस्थान के तत्वावधान में आईआरएमएस-2022 एवं आईआरएमएस-2023 (यातायात) के परिवीक्षाधीन अधिकारियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण के तहत बुधवार को पनकी स्थित प्रिस्टीन प्राइवेट फेट टर्मिनल का शैक्षिक भ्रमण कराया गया। इस दौरान अधिकारियों ने आधुनिक माल ढुलाई प्रणाली, लॉजिस्टिक्स प्रबंधन और निजी भागीदारी के माध्यम से रेलवे माल परिवहन में बढ़ती दक्षता की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

भ्रमण के दौरान टर्मिनल अधिकारियों द्वारा प्राइवेट फ्रेट टर्मिनल की कार्यप्रणाली, परिचालन व्यवस्था और प्रबंधन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई। प्रशिक्षणार्थियों ने माल लोडिंग और अनलोडिंग की प्रक्रियाओं को नजदीक से देखा तथा संसाधनों के समन्वय और समयबद्ध संचालन की रणनीतियों को समझा।इस अवसर पर परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने टर्मिनल संचालन में आने वाली चुनौतियों और उनके व्यावहारिक समाधान पर भी चर्चा की। साथ ही, भारतीय रेल में माल परिवहन क्षमता को सुदृढ़ बनाने में निजी क्षेत्र की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों को बताया गया कि ऐसे टर्मिनल न केवल रेलवे की लॉजिस्टिक्स दक्षता बढ़ाते हैं, बल्कि उद्योगों को तेज, सुरक्षित और किफायती परिवहन सुविधा भी उपलब्ध कराते हैं।संस्थान के अनुसार, यह शैक्षिक भ्रमण प्रशिक्षण कार्यक्रम का अहम हिस्सा है, जिसका उद्देश्य सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ना और भावी रेल अधिकारियों को यात्री एवं माल परिवहन की व्यापक प्रणाली से परिचित कराना है। कार्यक्रम में रेलवे की ओर से डिप्टी सीटीएम आशुतोष सिंह, डीओएम निखिल खरे, एसीएम पवन कुमार तथा डीजीएम प्रोमित आध्य सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

दोगुनी कमाई के लालच में फंसी महिला, 9.13 लाख की ठगी पुलिस ने 7.05 लाख लौटाए

टेलीग्राम ग्रुप के जरिए ठगी, साइबर टीम की सक्रियता से बड़ी रकम बची

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कल्याणपुर क्षेत्र में दोगुनी रकम का लालच देकर महिला से 9.13 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। हालांकि पुलिस की तत्परता और साइबर टीम की सक्रियता से 7.05 लाख रुपये की बड़ी रकम पीड़िता को वापस दिला दी गई, जिससे उसे आंशिक राहत मिली है।

देवी सहाय नगर, कल्याणपुर निवासी नीलम कुमारी ने 26 मार्च को थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि पांच फरवरी को उनके पास एक इंटरनेशनल कॉल आई थी। कॉल करने वाले व्यक्ति ने निवेश पर दोगुना मुनाफा देने का झांसा दिया और उन्हें एक टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ लिया। शुरुआत में भरोसा जीतने के बाद आरोपियों ने अलग-अलग खातों में कुल आठ बार में 9.13 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। कुछ समय बाद जब नीलम को ठगी का अहसास हुआ तो उन्होंने आरोपियों से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने तत्काल कल्याणपुर थाने में तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत केस दर्ज कर साइबर टीम की मदद से जांच शुरू की। जांच के दौरान संदिग्ध ट्रांजेक्शनों को ट्रेस करते हुए संबंधित खातों में रकम को होल्ड कराया गया। पुलिस की तेज कार्रवाई के चलते बुधवार रात 7.05 लाख रुपये पीड़िता के खाते में वापस करा दिए गए। रकम वापस मिलने पर पीड़िता ने राहत की सांस ली और पुलिस टीम का आभार जताया। कल्याणपुर प्रभारी, प्रशिक्षु आईपीएस डॉ. सुमेध मिलिंद जाधव ने बताया कि समय रहते कार्रवाई के चलते बड़ी रकम बचाई जा सकी।

डॉक्टर, दलाल और डिजिटल नेटवर्क की तिकड़ी, देश से विदेश तक फैले किडनी रैकेट ने खोली सिस्टम की परतें

हेल्थ सिस्टम में घुस गया ‘मानव अंग माफिया’

6 लाख में खरीदी किडनी, 60 लाख में किया सौदा, 50 से अधिक अस्पतालों पर कस रहा शिकंजा

स्वराज इंडिया फालोअप

मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर में उजागर हुआ किडनी रैकेट अब एक सामान्य आपराधिक घटना नहीं रहा, बल्कि यह देश के स्वास्थ्य तंत्र में गहराई तक पैठ बना चुके संगठित ‘ऑर्गन माफिया’ का खतरनाक चेहरा बनकर सामने आया है। यह मामला सिर्फ अवैध किडनी ट्रांसप्लांट तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दिखाता है कि कैसे चिकित्सा व्यवस्था के भीतर ही एक समानांतर ‘ब्लैक मार्केट सिस्टम’ विकसित हो चुका है, जिसमें डॉक्टर, निजी अस्पताल, दलाल और डिजिटल नेटवर्क एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

शुरुआत में चार अस्पतालों तक सीमित दिख रहा यह मामला अब 50 से अधिक निजी अस्पतालों तक पहुंच चुका है। जांच एजेंसियों के अनुसार, यह नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय था और बेहद संगठित तरीके से काम कर रहा था। इस सिंडिकेट ने स्वास्थ्य सेवाओं की आड़ में मानव अंगों का कारोबार खड़ा कर लिया था, जिसमें गरीबों की मजबूरी और मरीजों की जिंदगी दोनों को ‘मुनाफे के सौदे’ में बदल दिया गया।

इस पूरे नेटवर्क का सबसे भयावह पहलू यह है कि यह ‘डिमांड और सप्लाई’ के कॉर्पोरेट मॉडल पर काम करता था। एक तरफ कर्ज, बेरोजगारी और आर्थिक तंगी से जूझ रहे युवाओं को डोनर बनाया जाता, तो दूसरी ओर गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को जल्दी इलाज का झांसा देकर लाखों-करोड़ों रुपये वसूले जाते। इस प्रक्रिया में इंसानियत, कानून और नैतिकता तीनों को दरकिनार कर दिया गया।

जांच में सामने आया है कि बिहार के समस्तीपुर निवासी आयुष जैसे युवाओं को टारगेट कर उन्हें किडनी बेचने के लिए तैयार किया गया। उनसे 6 लाख रुपये में सौदा तय किया गया, लेकिन भुगतान केवल साढ़े तीन लाख रुपये ही किया गया। वहीं, इसी किडनी को मरीजों से 50 से 60 लाख रुपये तक में बेचा गया। इस भारी अंतर ने ही इस रैकेट के ‘कमीशन मॉडल’ को उजागर किया, जिसमें हर स्तर पर हिस्सेदारी तय थी।

दलाल इस नेटवर्क की रीढ़ थे। शिवम अग्रवाल जैसे एजेंट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स टेलीग्राम, व्हाट्सएप, फेसबुक और इंस्टाग्राम के जरिए डोनर और मरीज दोनों की तलाश करते थे। डोनर्स को ‘जल्दी पैसा’ और मरीजों को ‘सस्ता और तुरंत इलाज’ का लालच दिया जाता था। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने इस अपराध को न सिर्फ आसान बनाया, बल्कि इसे छिपाने में भी मदद की।

इस रैकेट की एक और अहम रणनीति थी पहचान छिपाना। डोनर और रिसीवर को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती किया जाता, उनके नाम और दस्तावेज बदले जाते, और फर्जी मेडिकल कारणों के आधार पर ट्रांसप्लांट को वैध दिखाया जाता। इससे न सिर्फ कानून को धोखा दिया गया, बल्कि मेडिकल एथिक्स की भी खुलकर धज्जियां उड़ाई गईं।

जांच एजेंसियों को इस मामले में देश के कई बड़े शहरों दिल्ली, कोलकाता, लखनऊ, मेरठ और बिहार के साथ-साथ साउथ अफ्रीका तक के कनेक्शन मिले हैं। यह संकेत देता है कि यह केवल स्थानीय गिरोह नहीं, बल्कि एक अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट का हिस्सा हो सकता है। डार्कवेब के इस्तेमाल की भी पुष्टि हुई है, जहां से क्लाइंट्स और नेटवर्क का विस्तार किया जाता था।

कानपुर को इस नेटवर्क का हब बनाने के पीछे भी कई कारण सामने आए हैं। शहर की मजबूत कनेक्टिविटी रेल, रोड और एयर ने इसे ट्रांजिट प्वाइंट बना दिया। साथ ही तेजी से बढ़ते निजी अस्पतालों और निगरानी की कमी ने इस अवैध कारोबार को फलने-फूलने का मौका दिया। यह स्थिति न केवल स्थानीय प्रशासन बल्कि पूरे देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। इस पूरे मामले ने यह भी उजागर किया है कि स्वास्थ्य तंत्र में रेगुलेशन और मॉनिटरिंग कितनी कमजोर है। अगर 50 से अधिक अस्पताल इस जांच के दायरे में आ सकते हैं, तो यह साफ संकेत है कि सिस्टम में कहीं न कहीं बड़े स्तर पर चूक हुई है। सवाल यह भी उठता है कि क्या यह सब बिना किसी अंदरूनी मिलीभगत के संभव था?

पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त जांच अब इस नेटवर्क की जड़ों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। कॉल डिटेल रिकॉर्ड, बैंक ट्रांजेक्शन, डिजिटल चैट और विदेशी संपर्कों की जांच की जा रही है। अधिकारियों का दावा है कि आने वाले दिनों में कई बड़े नाम सामने आ सकते हैं, जो इस पूरे सिंडिकेट की असली तस्वीर को उजागर करेंगे। कानपुर किडनी रैकेट सिर्फ एक आपराधिक केस नहीं, बल्कि यह एक चेतावनी है कि अगर स्वास्थ्य तंत्र में पारदर्शिता, निगरानी और जवाबदेही नहीं बढ़ाई गई, तो ‘ऑर्गन माफिया’ जैसे नेटवर्क भविष्य में और भी खतरनाक रूप ले सकते हैं।

‘आर्थिक असमानता का शोषण’

गरीब और बेरोजगार युवाओं को निशाना बनाकर इस रैकेट ने सामाजिक असमानता का फायदा उठाया–यह एक गहरी सामाजिक समस्या की ओर इशारा करता है।

‘सिस्टम की नाकामी’

यह मामला स्वास्थ्य तंत्र की निगरानी व्यवस्था की गंभीर खामियों को उजागर करता है। इतने बड़े स्तर पर अवैध ट्रांसप्लांट बिना संस्थागत चूक के संभव नहीं।

‘मेडिकल एथिक्स पर सवाल’

डॉक्टरों और अस्पतालों की कथित संलिप्तता ने मेडिकल प्रोफेशन की विश्वसनीयता को झटका दिया है–इससे भरोसे का संकट गहरा सकता है।

‘डिजिटल अपराध का नया चेहरा’

डार्कवेब और एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म्स ने अपराधियों को सुरक्षित नेटवर्क दिया, जिससे पारंपरिक पुलिसिंग को चुनौती मिली।

स्वराज इंडिया | कानपुर सिटी | 03

कानपुर किडनी कांडः तीन अस्पतालों पर छापे से खुला अंगों के काले कारोबार का जाल

सपनों की कीमत ‘जिस्म’ से चुकाई

स्वराज इंडिया | कानपुर सिटी | 03

किडनी रैकेट पर शिकंजा और कसा

विदेशी कनेक्शन से जांच में आया नया मोड़

अब तक क्या-क्या हुआ

- **29 मार्च:** संदिग्ध ऑपरेशन के दौरान किडनी रैकेट का खुलासा
- **30 मार्च:** तीन अस्पतालों में छापेमारी, डोनर-रिसीवर संदिग्ध हालत में मिले
- **31 मार्च:** कई डॉक्टर और कर्मचारी हिरासत में, पूछताछ शुरू
- **1 अप्रैल:** 50+ अस्पताल जांच के दायरे में, डिजिटल डेटा खंगाला गया
- **2 अप्रैल:** फरार डॉक्टरों पर लुक आउट नोटिस, अलग-अलग शहरों में दबिश
- **आगे:** अंतरराष्ट्रीय लिंक की जांच, डार्कवेब कनेक्शन की पड़ताल

पुलिस की अब तक कार्रवाई

- तीन विशेष टीमें मेरठ, लखनऊ और एनसीआर में लगातार दबिश दे रही हैं
- चार डॉक्टरों के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी
- कॉल डिटेल रिकॉर्ड और बैंक ट्रांजेक्शन की गहन जांच
- सोशल मीडिया और डार्कवेब एक्टिविटी ट्रैक की जा रही
- अस्पतालों के लाइसेंस और रिकॉर्ड की जांच शुरू
- अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से संपर्क कर विदेशी कनेक्शन खंगाले जा रहे

एक नजर

- 50 से अधिक अस्पताल जांच के घेरे में
- डोनर से कम भुगतान, मरीज से कई गुना वसूली
- सोशल मीडिया और डार्कवेब के जरिए नेटवर्क संचालन
- देश-विदेश तक फैला सिंडिकेट
- फर्जी दस्तावेजों के जरिए ट्रांसप्लांट को वैध दिखाया गया

सरकारी तालाब बना 'जहर का कुंड' इंसानी जिंदगी से खुला खिलवाड़

मिलीभगत से जहरीला पानी छोड़ा जा रहा, खेत-बाग, सड़क और सांस तक हो रही दूषित

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर तहसील के छतेंनी गांव में एक गंभीर पर्यावरणीय संकट अब सीधे मानव जीवन से खिलवाड़ का रूप ले चुका है। यहां स्थित भोले बाबा डेयरी प्लांट पर आरोप है कि वह लगातार केमिकलयुक्त काला और दुर्गंधयुक्त अपशिष्ट पानी सरकारी तालाब में बहा रहा है। यह तालाब, जो कभी मत्स्य पालन और ग्रामीण आजीविका का आधार था, आज जहर से भरा कुंड बन गया है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि इसका असर अब सिर्फ जल स्रोत तक सीमित नहीं, बल्कि इंसानों की सांस, सेहत और रोजमर्रा की जिंदगी पर साफ दिखाई दे रहा है।

फैक्ट्री के अंदर से आ रहा गंदा पानी सरकारी तालाब में गिरता हुआ।

तालाब में भरा फैक्ट्री से निकला गंदा बदबूदार काला पानी

जानकारी नहीं है...

भोगनीपुर रेंज के अधिकारी स्वामी दीन ने कहा कि हाइवे किनारे पेड़ों पर केमिकलयुक्त पानी भरने की जानकारी नहीं है, लेकिन मामले की जांच कराई जाएगी।

हाइवे किनारे केमिकल युक्त पानी से सूख रहे वन विभाग के पेड़।

ग्रामीणों के मुताबिक, फैक्ट्री द्वारा छोड़ा जा रहा जहरीला पानी धीरे-धीरे खेतों, पेड़ों और आबादी की ओर फैल चुका है। इससे फसलें बर्बाद हो रही हैं, जमीन बंजर होती जा रही है और पेड़ सूखकर खत्म हो रहे हैं। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि यह प्रदूषण अब लोगों के स्वास्थ्य पर सीधा खतरा बन गया है। दुर्गंध और जहरीले तत्वों के कारण संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका लगातार बढ़ रही है।

रात के अंधेरे में जहर का खेल

ग्रामीणों का आरोप है कि फैक्ट्री कर्मचारी जानबूझकर रात के समय चोरी-छिपे रेलवे लाइन किनारे और तालाब में यह गंदा पानी छोड़ते हैं, ताकि दिन में विरोध से बचा जा सके। यह सुनियोजित तरीका इस बात की ओर इशारा करता है कि पूरे मामले में जिम्मेदारों की मिलीभगत से इंसानी जीवन को खतरे में डाला जा रहा है।

हाइवे तक पहुंचा जहर, राहगीर भी चपेट में

स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि तालाब का जहरीला पानी अब हाइवे तक फैल गया है। सड़क किनारे जमा काले पानी और उससे उठती तीखी बदबू के कारण राहगीरों को मुंह ढककर गुजरना पड़ रहा है। यह केवल स्थानीय समस्या नहीं रही, बल्कि आम जन की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा बन चुकी है। वन विभाग द्वारा लगाए गए सैकड़ों पौधे भी इस जहरीले पानी के असर से सूखने लगे हैं।

पट्टा बना सौदेबाजी का जरिया, जहर का कारोबार

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गाटा संख्या 184 का तालाब, जो पहले उनके परिवार को जीवन-3 पट्टे पर मिला था, उसे फर्जी दस्तावेजों के आधार पर दूसरे व्यक्ति के नाम कर दिया गया। आरोप है कि नए पट्टाधारक ने अधिक मुनाफे के लालच में तालाब को फैक्ट्री को किराए पर दे दिया, जहां अब खुलेआम जहरीला पानी भरा जा रहा है। यह पूरा मामला सिर्फ भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि गांव की जिंदगी के साथ सीधा खिलवाड़ है।

सुंदरीकरण के नाम पर छिपा प्रदूषण

तालाब को गहरा करने के नाम पर जेसीबी से खुदाई कराई गई, जिसे ÷सुंदरीकरण÷ बताया गया। लेकिन बाद में उसी गहराई का इस्तेमाल फैक्ट्री के केमिकलयुक्त पानी को जमा करने के लिए किया गया। पानी की सतह पर जमी सफेद झाग और तेज दुर्गंध इस बात का सबूत हैं कि यहां खतरनाक स्तर का प्रदूषण फैल चुका है।

प्रशासन की चुप्पी, बढ़ता आक्रोश

ग्रामीणों ने कई बार ऑनलाइन और लिखित शिकायतें कीं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। न प्रदूषण रोका गया, न ही तालाब की सफाई कराई गई। प्रशासन की इस निष्क्रियता से लोगों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है

कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। यह मामला केवल पर्यावरण प्रदूषण का नहीं, बल्कि सीधे तौर पर मानव जीवन की अनदेखी और स्वास्थ्य के साथ खतरनाक खिलवाड़ का उदाहरण बनता जा रहा है।

खबर : एक नजर में

- सरकारी तालाब में लगातार केमिकलयुक्त पानी छोड़ा जा रहा
- खेत, पेड़ और जमीन बंजर होने की कगार पर
- हाइवे तक फैला प्रदूषण, आम राहगीर भी प्रभावित
- पट्टा बदलने में फर्जीवाड़े और मिलीभगत के आरोप
- ग्रामीणों की शिकायतों पर प्रशासन अब तक निष्क्रिय

इंटरसिटी के आगे कूदा नाबालिग प्रेमी जोड़ा, मौत

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

महाराजगंज। महाराजगंज जिले में गोरखपुर-नौतनवा रेलखंड पर बुधवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां नईकोट रेलवे स्टेशन के पास एक किशोर और किशोरी ने इंटरसिटी एक्सप्रेस के सामने आकर अपनी जान दे दी। घटना महुआरी गांव के समीप हुई, जहां दोनों नाबालिग ट्रेन के आने का इंतजार कर रहे थे और जैसे ही ट्रेन पहुंची, वे अचानक उसके सामने कूद गए। मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक किशोर कक्षा 10 का छात्र बताया जा रहा है, जबकि किशोरी की पहचान भी हो चुकी है, लेकिन घटना के वक्त उसके परिजन मौके पर नहीं पहुंचे। दोनों के घरों के बीच करीब पांच-छह किलोमीटर की दूरी बताई जा रही है। हादसे की खबर मिलते ही किशोर के परिवार में कोहराम मच गया।प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, दोनों के परिवार उनकी शादी के लिए तैयार नहीं थे, जिससे आहत होकर उन्होंने यह कदम उठाया। हालांकि पुलिस ने अभी इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है और परिजनों के बयान व पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

चरणामृत बना जहर! एक ही परिवार के 7 लोग फूड पॉइजनिंग का शिकार

प्रसाद ग्रहण करते ही बिगड़ी तबीयत, सीएचसी में भर्ती, सभी की हालत अब खतरे से बाहर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद क्षेत्र के बंशी निवादा गांव में चरणामृत पीना एक परिवार के लिए भारी पड़ गया। प्रसाद ग्रहण करने के बाद एक ही परिवार के सात लोग फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए, जिससे गांव में हड़कंप मच गया।जानकारी के अनुसार, बंशी निवादा निवासी प्रभु दयाल, निशा, अनिल, राखी, दीक्षा, मुस्कान और मोना ने चरणामृत ग्रहण किया था। इसके कुछ ही देर बाद सभी को उल्टी, चक्कर और घबराहट की शिकायत होने लगी। अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने तुरंत सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) रसूलाबाद में भर्ती कराया।सीएचसी में ड्यूटी पर तैनात डॉ. ब्रजेश कुमार ने सभी मरीजों का उपचार शुरू किया। घटना की सूचना मिलते ही गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोग सहम गए। डॉ. ब्रजेश कुमार ने गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे बताया कि सभी मरीजों की हालत अब स्थिर है और वे खतरे से बाहर हैं। चिकित्सकीय निगरानी में उनका इलाज जारी है और जल्द ही सभी को स्वस्थ होने के बाद घर भेज दिया जाएगा।

सम्पादकीय

धैर्य खोती पीढ़ी की घातक आक्रामकता

पिछले दिनों वाराणसी में मोबाइल चोरी के संदेह में एक किशोर की पीट-पीट कर हत्या करने की हृदयविदारक घटना सामने आई। घटना कानून व्यवस्था पर तो सवाल है ही, साथ ही भीड़ की बर्बरता की कहानी भी कहती है। क्या एक बच्चे की जिंदगी मोबाइल से सस्ती है? सवाल समाज की बढ़ती आक्रामकता पर भी है। एक ओर हम समाज में कानून का शासन चाहते हैं, वहीं दूसरी ओर कानून हाथ में लेकर किसी की भी जान लेने पर उतारू हो जाते हैं। निस्संदेह, यदि किसी व्यक्ति की अपराध में शामिल होने की आशंका भी है तो उसे पुलिस को सौंपा जाना चाहिए। उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। अराजक तरीके से मार-पीटकर किसी की हत्या कर देने का अधिकार भीड़ को कैसे मिल सकता है? सवाल ऐसी घटनाओं पर शेष समाज की उदासीनता का भी है। जब उस किशोर को पीटा जा रहा था तो आसपास से गुजरने वाले लोग क्यों उसे बचाने नहीं आए? हाल के दिनों में महज शक के आधार पर लोगों को मौत के घाट उतारने व घायल करने की घटनाएं आम हो गई हैं। यह हमारे समाज के लिये भी चिंता का विषय है क्योंकि निहित स्वार्थी तत्व अकसर निर्दोष लोगों को जाति व संप्रदाय के नाम पर अपने बहुलता वाले इलाके में शिकार बना लेते हैं। प्रश्न यह भी है कि इस तरह की बढ़ती घटनाओं के बीच सरकारों की तरफ से जमीनी स्तर पर कारगर कदम उठाने की पहल क्यों नहीं होती? जाहिर बात है कि व्यक्ति विशेष को शक के आधार पर निशाना बनाने वाले लोगों में कानून का डर न के बराबर ही होता है। साथ ही आसपास के लोगों का महज तमाशबीन बना रहना भी भीड़ के अराजक व्यवहार को बढ़ावा देता है। वाराणसी की घटना में जिस तरह किशोर को घर से बुलाकर सड़क पर पीटा गया और लोग खामोश रहे, परेशान करने वाला घटनाक्रम ही है।निश्चित रूप से भीड़ द्वारा संदेह के आधार पर किसी की हत्या करना, किसी भी सभ्य समाज के माथे पर कलंक जैसा है। ऐसे मामलों में पुलिस को भी अपना सूचना तंत्र मजबूत करने और संवेदनशील ढंग से कार्रवाई करने की जरूरत है। खासकर उस क्षेत्र के थाने की पुलिस व अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की आवश्यकता है। हमारे समाज में संदेह के आधार पर किसी की जान लेने की प्रवृत्ति जिस तेजी से बढ़ रही है, वह हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। आये दिन हम सड़कों पर रोड रेज की घटनाएं सुनते और देखते हैं। सड़क में आगे निकलने की होड़ में गोली चलाने और हिंसक प्रतिरोध की घटनाएं अकसर सामने आती हैं। पिछले दिनों देहरादून में आगे निकलने की होड़ में दो कारों में सवार लोगों की गोलीबारी में सड़क पर सैर कर रहे सेना के एक सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर की हत्या की घटना उत्तराखंड में व्यापक जनाक्रोश का विषय बनी। ऐसी घटनाएं इस बात की ओर इशारा कर रही हैं कि नई पीढ़ी के लोग अपना धैर्य, विवेक तथा संवेदनशीलता खोते जा रहे हैं।

ये हमारे मानवीय मूल्यों व संवेदना का भी क्षरण है। दरअसल, हमारे समाज में संयुक्त परिवारों का बिखराव होने से बच्चों की संवेदनशील ढंग से परवरिश का न हो पाना भी युवाओं में बढ़ती आक्रामकता की वजह बन रहा है। पहले स्कूलों में शिक्षकों का दबदबा होता था और छात्र जीवन में अनुशासन का पाठ सीखते थे। मां-बाप के लाड़-प्यार और बच्चों को स्वच्छंद व्यवहार की आजादी ने उन्हें उच्छृंखल बनाया है। एकल परिवारों में पलने वाले अकेले बच्चों में दूसरों को आसानी से सहन न करने की प्रवृत्ति भी तेजी से बढ़ी है। वहीं दूसरी ओर समाज में लगातार जटिल होता जीवन भी उग्रता को बढ़ावा दे रहा है। नशा भी नाश का कारक बन रहा है।

नई सोच रोकेगी मनुष्यता के खिलाफ अपराध

के.एस तोमर

महाड के जल-सत्याग्रह का शताब्दी वर्ष है यह। वह सत्याग्रह वस्तुतः मानव-समाज की समानता के लिए एक नए संघर्ष की शुरुआत थी। यह संघर्ष तब तक पूरा नहीं होगा, जब तक कानून या संविधान में दिये गये अधिकारों को सामाजिक...महाड के जल-सत्याग्रह का शताब्दी वर्ष है यह। वह सत्याग्रह वस्तुतः मानव-समाज की समानता के लिए एक नए संघर्ष की शुरुआत थी। यह संघर्ष तब तक पूरा नहीं होगा, जब तक कानून या संविधान में दिये गये अधिकारों को सामाजिक स्तर पर पूरी मान्यता नहीं मिल जाती।

स्वतंत्रता सेनानी और अस्पृश्य समझे जाने वाले वर्ग के नेता बाबू जगजीवन राम को बचपन में स्कूल में इसलिए सज़ा मिली थी कि उन्होंने उस मटके से पानी पी लिया था जो स्कूल के सवर्ण अध्यापकों के लिए रखा गया था। यह बात तब की है जब हम गुलाम थे। पर ऐसे ही 'अपराध' के लिए स्वतंत्र भारत में भी नौ साल के एक दलित बच्चे को भी सज़ा मिली थीङ्क राजस्थान के जालौर के एक स्कूल में उन बच्चों से भी अनजाने में ही अध्यापकों के मटके से पानी पीने का 'अपराध' हो गया था। यह घटना हमारी आज़ादी की 75वीं सालगिरह के दिन घटी थी। दोनों ही घटनाओं में लगभग एक सदी की दूरी है। सदियों से दलितों के साथ इस तरह के अत्याचार होते आ रहे हैं। उम्मीद थी कि स्वतंत्र भारत में हमारी समाज व्यवस्था के माथे से यह कलंक मिट जायेगा। पर आज भी, यानी इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में इस आशय के समाचार मिल जाते हैं कि फलां गांव में या फलां कस्बे में दलित समाज के किसी व्यक्ति को इसलिए सज़ा भुगतान पड़ी कि उसने घोड़े पर बैठकर दूल्हा बनने का दुस्साहस किया था!आज़ादी प्राप्त करने के बाद जब हमने अपना संविधान बनाया तो उसमें यह स्पष्ट व्यवस्था की थी कि स्वतंत्र भारत में किसी भी नागरिक को अस्पृश्यता जैसे अभिशाप को झेलना न पड़े। सौ साल पहले बाबासाहेब अम्बेडकर ने महाराष्ट्र के महाड में अगड़ों के लिए आरक्षित समझे जाने वाले एक तालाब से पानी पीने के अधिकार का संघर्ष शुरू किया था। उस तालाब में जानवर तो पानी पी सकते थे, पर अस्पृश्य समझे जाने वाले दलित को यह अधिकार नहीं था। ऊंची समझी जाने वाली जातियों के लोग यह मानते थे कि दलितों के छूने से वह भी अपवित्र हो जायेंगे। पता नहीं यह धारणा कब से चली आ रही है, पर यह एक शर्मनाक सच्चाई है कि हमारे देश में आज भी छुआछूत से हमारा पीछा नहीं छूट पाया। शहरी भारत में भले ही माथे पर यह कलंक न दिखता हो, पर ग्रामीण भारत आज भी जैसे इस त्रास को भोगने के लिए शापित है। यहां यह याद रखना ज़रूरी है कि लगभग अस्सी प्रतिशत भारत गांवों में बसता है!

सन? 1950 में हमने अपने संविधान में अस्पृश्यता पर प्रतिबंध लगाने की व्यवस्था की थी। हमारा संविधान कहता है, 'सरकार धर्म, जाति, जन्म आदि के आधार पर किसी नागरिक से भेदभाव नहीं करेगी'। लगता है, भेदभाव करने वालों ने मान लिया है कि यह व्यवस्था सरकार के लिए है, समाज के लिए नहीं!सौ साल पहले डाक्टर भीमराव अम्बेडकर ने समाज को यह अहसास कराने की कोशिश की थी। सौ साल पहले 20 मार्च, 1927 को महाराष्ट्र के एक तालाब के पानी को न केवल दलितों ने छुआ, बल्कि उस तालाब का पानी पिया भी। वस्तुतः यह मनुष्यता की रक्षा के लिए किये जाने वाले एक संघर्ष की शुरुआत थी। यह सौवां वर्ष है इस संघर्ष का– और संघर्ष आज भी जारी है। हम इस बात पर तो गर्व कर सकते हैं कि सौ साल पहले ऐसा कोई संघर्ष प्रारंभ हुआ था, पर देखा जाये तो यह शर्म की ही बात है कि अब तक इस संघर्ष में पूरी विजय नहीं मिल पायी। पर इस असफलता से संघर्ष की महत्ता कम नहीं हो जाती। ज़रूरी है कि महाड में शुरू किये गये इस जल-सत्याग्रह की महत्ता को समझा जाये, इस संघर्ष को तार्किक परिणति तक पहुंचाया जाये।उस दिन अम्बेडकर के नेतृत्व में लगभग ढाई हज़ार दलितों ने महाड के चौदार तालाब के पवित्र समझे जाने वाले जल को अंजलि में भरकर एक नई आज़ादी के संघर्ष की शुरुआत की थी।

होर्मुज की लहरों में डूबता सुपर पावर का गुमान !

(हार को जीत बताता ट्रंप का प्रलाप)

अजय कुमार वरिष्ठ पत्रकार
लखनऊ (उ. प्र.)

इतिहास की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि युद्ध के मैदान में जब बंदूकें खामोश होने लगती हैं, तब झूठ के नगाड़े सबसे जोर से बजते हैं। आज फारस की खाड़ी के तपते पानी में जो कुछ घट रहा है, वह किसी हॉलीवुड थ्रिलर से कम नहीं है, लेकिन इस पटकथा का अंत वैसा नहीं है जैसा वॉशिंगटन के व्हाइट हाउस में बैठकर लिखा गया था। युद्ध में कौन जीत रहा है और कौन हार रहा है, इसे आंकने का पैमाना कभी भी मिसाइलों की संख्या या मलबे का ढेर नहीं होता। इसका सबसे सटीक पैमाना यह है कि शांति की भीख सबसे पहले किसने मांगी। आज जब हम अप्रैल 2026 की दहलीज पर खड़े हैं, तो दुनिया देख रही है कि जिस ईरान को प्रतिबंधों की बेड़ियों में जकड़कर घुटनों पर लाने का दावा किया गया था, वह आज तनकर खड़ा है और दुनिया का स्वयंभू थानेदार अब एग्जिट गेट की तलाश में हाथ-पांव मार रहा है।

इस पूरी कहानी को समझने के लिए हमें थोड़ा पीछे मुड़कर साल 2025 के उस 'ऑपरेशन सिंदूर' को देखना होगा, जिसने उपमहाद्वीप के सैन्य इतिहास को हमेशा के लिए बदल दिया। भारत ने जब अपनी सीमा पार कर आतंकवाद के फनों को कुचला, तो वह केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि एक संदेश था। वह संदेश यह था कि शक्ति प्रदर्शन चीखने-चिल्लाने से नहीं, बल्कि सटीक प्रहार से होता है। पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम जब ताश के पत्तों की तरह ढह रहा था और भारतीय विमान आकाश में अपनी मर्जी से चित्रकारी कर रहे थे, तब रावलपिंडी के जनरलों ने पहली बार शांति का राग अलापा था। वह हार की तड़प थी जिसे जीत के पदकों के पीछे छिपाने की नाकाम कोशिश की गई। आसिम मुनीर का खुद को 'फील्ड मार्शल' घोषित कर देना वैसा ही था जैसे कोई डूबता हुआ आदमी खुद को समंदर का राजा कह दे। लेकिन गड्ढे झूठ नहीं बोलते। सैटेलाइट की तस्वीरों ने वह सच दुनिया के सामने रख दिया था जिसे पाकिस्तान की पीआर मशीनरी दबाना चाहती थी।

आज मिडिल ईस्ट के रणक्षेत्र में डोनाल्ड ट्रंप वही गलती दोहरा रहे हैं जो कभी पाकिस्तानी जनरलों ने की थी। 28 फरवरी को जब ईरान के शीर्ष नेतृत्व पर हमला हुआ, तो अमेरिका को लगा कि तेहरान ताश की गड्डी की तरह बिखर जाएगा। लेकिन वे भूल गए

कि जिस देश ने 40 साल से प्रतिबंधों की आग में खुद को तपाया हो, उसके लिए मिसाइलों की गड़गड़ाहट किसी उत्सव से कम नहीं होती। ईरान ने पलटवार किया और ऐसा किया कि पूरे मध्य पूर्व में फैले अमेरिकी अड्डों की सुरक्षा की कलई खुल गई। आज होर्मुज स्ट्रेट बंद है। दुनिया की रगों में दौड़ने वाला तेल अब ईरान की मर्जी का मोहताज है। वह देश जो कल तक दूसरे देशों को सुरक्षा की गारंटी बेचता था, आज अपने ही सैनिकों की जान बचाने के लिए उन रास्तों को ढूंढ रहा है जो तेहरान तक जाते हों।ट्रंप का आज का अंदाज बिल्कुल मई 2025 के पाकिस्तान जैसा है। कैमरों के सामने आकर वे अपनी जीत के कसीदे पढ़ रहे हैं, ट्रुथ सोशल पर कैप्स लॉक में अपनी ताकत का बखान कर रहे हैं, लेकिन जमीन की हकीकत उनके दावों का मजाक उड़ा रही है। जब आप हार रहे होते हैं, तो आपकी भाषा में अहंकार और हताशा का एक अजीब मिश्रण घुल जाता है। अमेरिका आज पाकिस्तान के जरिए ईरान को 15 सूत्रीय प्रेम पत्र भेज रहा है, लेकिन तेहरान ने साफ कर दिया है कि वह किसी सेल्समैन से बात नहीं करेगा। ईरान की शर्तें साफ हैं होर्मुज पर उसका नियंत्रण होगा, अमेरिकी फौजें इलाका खाली करेंगी और नुकसान की भरपाई वॉशिंगटन को करनी होगी। ये शर्तें किसी हारे हुए राष्ट्र की नहीं, बल्कि उस खिलाड़ी की हैं जिसने सामने वाले की पूरी बिसात उलट दी है।सबसे दिलचस्प भूमिका पाकिस्तान की है, जो अपनी फटीहाली को कूटनीतिक अवसर में बदलने की कोशिश कर रहा है। वह देश जिसने खुद अपनी नाक कटवाई थी, आज अमेरिका और ईरान के बीच बिचौलिए की भूमिका में डॉलर बटोरने के सपने देख रहा है। लेकिन ईरान ने स्पष्ट कर दिया है कि वह इस खेल का हिस्सा नहीं बनेगा। ईरान जानता है कि वक्त उसके साथ है। वह चुप है, शांत है और अपने लक्ष्यों के प्रति अडिग है। उसकी यह खामोशी वॉशिंगटन की बेचैनी को और बढ़ा रही है। जब आपके पास खोने के लिए कुछ न बचा हो, तो आप सबसे खतरनाक योद्धा बन जाते हैं। ईरान आज उसी स्थिति में है।

कार्ल मार्क्स ने सच ही कहा था कि इतिहास खुद को दोहराता है, पहले एक त्रासदी के रूप में और फिर एक मजाक के रूप में। ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान के लिए त्रासदी थी, और आज फारस की खाड़ी में अमेरिका जो कर रहा है, वह एक वैश्विक मजाक बनकर रह गया है। ट्रंप अब एक सुरक्षित रास्ता ढूंढ रहे हैं जिससे वे अपनी साख बचा सकें, लेकिन ईरान उन्हें वह मौका देने के मूड में नहीं है। वह होर्मुज का पूरा टोल वसूलने के बाद ही चैन से बैठेगा। यह युद्ध मिसाइलों से नहीं, बल्कि सब्र और हौसले से जीता जा रहा है। और फिलहाल, जीत का सेहरा तेहरान के सिर बंधता दिख रहा है, जबकि वॉशिंगटन की चमकती वर्दी पर धूल और हार की कालिख साफ देखी जा सकती है। गड्ढे आज भी वहीं हैं, चाहे वो रावलपिंडी के एयरफील्ड पर हों या ट्रंप की विदेश नीति के सीने पर। सच तो यही है कि सुपरपावर का गुमान अब फारस की खाड़ी की लहरों में दफन हो चुका है।

विकास दुबे का खौफ बना हथियार! दबंगों ने जिंदा दफन की महिला की जमीन

4 साल से सिस्टम के दरवाजे पीट रही बेबस फरियादी

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। कानून के राज पर सवाल खड़ा करती एक चौंकाने वाली कहानी बिल्हौर क्षेत्र से सामने आई है, जहां कुख्यात अपराधी विकास दुबे के नाम का खौफ आज भी दबंगों के लिए हथियार बना हुआ है। अपने ही खरीदे प्लॉट पर कब्जा पाने के लिए एक महिला पिछले चार वर्षों से सरकारी दफ्तरों की चौखट घिस रही है, लेकिन न उसे न्याय मिला और न ही दबंगों के हौसले पस्त हुए। उल्टा, आरोपियों ने विकास दुबे का नाम लेकर उसे डराने और झुकाने की कोशिशें तेज कर दी हैं।

थाना शिवराजपुर क्षेत्र के ग्राम सखरेज निवासी पीड़िता अंजू की कहानी सिस्टम की संवेदनहीनता और दबंगई के गठजोड़ को उजागर करती है। वर्ष 2022 में उसने आराजी संख्या 972 में से करीब 128.63 वर्ग मीटर भूमि अपनी मेहनत की कमाई से खरीदी थी। सपनों का यह छोटा-सा टुकड़ा अब उसके लिए डर, धमकी और संघर्ष का मैदान बन चुका है। पीड़िता के अनुसार, पड़ोस में रहने वाले सुरेंद्र दीक्षित और उसका साला अवधेश शुक्ला ने शुरू से ही उसकी जमीन पर नजर गड़ा रखी थी। आरोप है कि दोनों ने सुनियोजित तरीके से अवैध खनन की मिट्टी प्लॉट में डलवाकर उसे पाटना शुरू कर दिया। देखते ही देखते जमीन का असली स्वरूप खत्म होने लगा, जैसे किसी की मेहनत और हक को जिंदा दफन किया जा रहा हो। जब महिला ने इसका विरोध किया तो दबंगों का असली चेहरा सामने आ गया। गाली-गलौज, धमकी और भय का ऐसा खेल शुरू हुआ कि महिला और उसका परिवार सहम गया। पीड़िता का आरोप है कि आरोपियों ने खुलेआम कहा– "हम विकास दुबे के रिश्तेदार हैं, हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता।" यह सिर्फ धमकी नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था को खुली चुनौती थी।

➪ **मिट्टी से पाटा प्लॉट, धमकियों से तोड़ी हिम्मत "हम विकास दुबे के रिश्तेदार हैं", कहकर कानून को दी खुली चुनौती**

सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि पीड़िता ने थाना शिवराजपुर से लेकर तहसील और उपजिलाधिकारी कार्यालय तक कई बार गुहार लगाई, लेकिन हर बार उसे सिर्फ आश्वासन मिला। चार साल बीत गए, मगर न तो जमीन पर कब्जा दिलाया गया और न ही दबंगों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई हुई। इससे यह सवाल उठता है कि क्या सिस्टम इतना कमजोर हो चुका है कि अब अपराधियों के नाम का सहारा लेकर आम नागरिकों के हक छीने जा रहे हैं?

पीड़िता का यह भी आरोप है कि लगातार डाली जा रही मिट्टी अवैध खनन से जुड़ी हो सकती है, जो इस पूरे मामले को और गंभीर बना देती है। यानी यह सिर्फ जमीन कब्जाने का मामला नहीं, बल्कि अवैध खनन और प्रशासनिक मिलीभगत की भी बू दे रहा है। आखिरकार हिम्मत जुटाकर महिला एसीपी बिल्हौर कार्यालय पहुंची और न्याय की गुहार लगाई। एसीपी मंजय सिंह ने मामले की जांच कराने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया है। लेकिन बड़ा सवाल अब भी कायम है–क्या इस बार कार्रवाई जमीन पर उतरेगी या फिर यह मामला भी फाइलों में दफन हो जाएगा?

- 2022 में खरीदा गया प्लॉट, 2026 तक नहीं मिला कब्जा
- दबंगों पर अवैध मिट्टी डालकर जमीन पाटने का आरोप
- "विकास दुबे का रिश्तेदार" बताकर दी जा रही धमकी
- विरोध पर झूठे मुकदमे में फंसाने और परिवार खत्म करने की चेतावनी
- थाना से लेकर एसडीएम तक शिकायत, हर जगह सिर्फ आश्वासन
- अवैध खनन कनेक्शन की आशंका, जांच की मांग
- एसीपी स्तर पर पहुंचा मामला, कार्रवाई की उम्मीद

साहब! मेरे पति दूसरी शादी करने जा रहे हैं!

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। अरौल थाना क्षेत्र के मकनपुर स्थित बेड़ा गांव की रहने वाली एक विवाहिता ने अपने ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट और पति की दूसरी शादी कराने की साजिश का आरोप लगाया है। पीड़िता ने एसीपी बिल्हौर से न्याय की गुहार लगाई है।

पीड़िता हुस्ने जहां ने शिकायती पत्र में बताया कि उसकी शादी करीब चार वर्ष पहले गांव निवासी राजा पुत्र हादी हसन के साथ मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग कम दहेज को लेकर उसे प्रताड़ित करने लगे। आरोप है कि पति राजा, ससुर हादी हसन, सास परवीन, देवर अरमान व अमन और ननद रेशमा आए दिन मारपीट कर मानसिक रूप से परेशान करते हैं। महिला का कहना है कि उसकी एक दो वर्षीय पुत्री भी है, जिसके साथ उसे आत्महत्या करने के लिए उकसाया जाता है।

➪ **एसीपी कार्यालय में पीड़िता ने लगाई न्याय की गुहार**
➪ **दहेज के लिए विवाहिता से मारपीट व उत्पीड़न का आरोप**

पीड़िता के अनुसार, उसके पति द्वारा 4 अप्रैल 2026 को दूसरी शादी करने की तैयारी की जा रही है, जिससे उसे और उसकी बच्ची को गंभीर खतरा है। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि 31 मार्च 2026 को 112 पुलिस के सामने ही उसे घर से धक्का देकर निकाल दिया गया। साथ ही उसने बताया कि उसके पति पर पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं और ससुराल पक्ष का व्यवहार आपराधिक प्रवृत्ति का है। पीड़िता ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और उसे व उसकी पुत्री को सुरक्षा प्रदान की जाए। वहीं एसीपी मंजय सिंह मकनपुर चौकी इंचार्ज को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

स्कूल चलो अभियान की शुरुआत कराने बीएसए ककवन पहुंचे

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। स्कूल चलो अभियान के तहत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) सुरजीत कुमार सिंह गुरुवार को ककवन क्षेत्र पहुंचे और ग्रामीण इलाके के कई परिषदीय विद्यालयों का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने, छात्र-छात्राओं की उपस्थिति सुनिश्चित करने और शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार लाने के निर्देश दिए।

इस दौरान बीएसए ने कक्षाओं का निरीक्षण कर पढ़ाई की स्थिति जानी और शिक्षकों से संवाद कर अभियान को प्रभावी बनाने पर जोर दिया। इसके बाद बीएसए बीआरसी ककवन कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए, जहां उन्होंने 'स्कूल चलो अभियान' की औपचारिक शुरुआत कर बच्चों को स्कूल भेजने के लिए अभिभावकों को जागरूक करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चा शिक्षा का अधिकार रखता है और उसे विद्यालय तक लाना हम सभी की जिम्मेदारी है। बीएसए के आगमन की सूचना मिलते ही तहसील क्षेत्र के स्कूलों में हड़कंप मच गया। पूरे दिन शिक्षक-शिक्षिकाएं व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने और विद्यालय परिसर को साफ-सुथरा बनाए रखने में जुटे रहे। निरीक्षण के दौरान कई जगह व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलीं, वहीं कुछ विद्यालयों में सुधार के निर्देश भी दिए गए।

आरपीएस स्कूल के वार्षिकोत्सव 'लगन' की धूम, छात्रों ने बिखेरा जलवा

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर के मकनपुर क्षेत्र में स्थित आरपीएस गौरव इंटरनेशनल स्कूल में बुधवार को वार्षिकोत्सव लगन उत्साह और उमंग के बीच आयोजित किया गया। पूरे कार्यक्रम में बच्चों की भागीदारी और प्रस्तुतियों ने माहौल को जीवंत बना दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने छात्रों को सम्मानित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। इस दौरान उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर उनका हौसला बढ़ाया।

समारोह की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर की गई। मंच पर जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल वरुण, निदेशक आरती कटियार, प्रधानाचार्य लकी जैन, ज़िला मंत्री जेपी कटियार, ब्लॉक प्रमुख मनोरमा कठेरिया और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष देवेंद्र कटियार आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम में छात्रों ने अनुशासित मार्च पास्ट के साथ आगाज किया, जिसके बाद एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

खास तौर पर आध्यात्मिक और सूफी थीम पर आधारित नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों की खूब सराहना बटोरी। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधि व अन्य लोग भी उपस्थित रहे, जिन्होंने बच्चों की प्रतिभा की सराहना की।

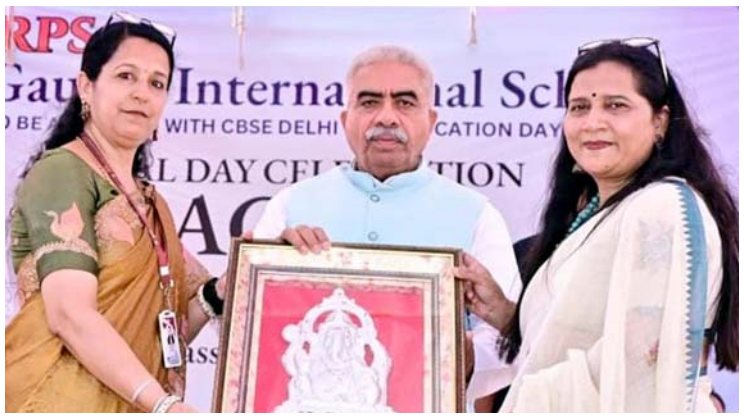

मंत्री राकेश सचान को स्मृति चिन्ह देतीं निदेशक व प्रधानाचार्य लकी जैन।

सांस्कृतिक प्रस्तुति देते बच्चे।

➪ **कक्षा तीन की छात्रा ज़ज़ा के नाम रहा 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' अवॉर्ड**
➪ **सूफी थीम पर प्रस्तुतियों ने बांधा समां, मंत्री राकेश सचान ने मेधावियों को किया सम्मानित**

क्लास थर्ड की स्टूडेंट को मिला स्टूडेंट ऑफ द ईयर अवॉर्ड

आर पी एस गौरव इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिकोत्सव लगन में बच्चों ने विभिन्न कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया खेलो में रनिंग,सिंगिंग और डांस से बच्चों ने मन मोह लिया। इसी कड़ी में 50 मीटर रनिंग ने क्लास थर्ड की स्टूडेंट आले जैहरा (ज़ज़ा)ने फर्स्ट प्राइज लिया। इसी क्लास की नुसरा सेकंड तथा स्वेक्षा ने थर्ड पोजीशन हासिल की। बच्चों ने ग्रुप डांस से सबको ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। अंत में प्रतिक्षित स्टूडेंट्स ऑफ द ईयर की घोषणा की गई। ये अवॉर्ड कैब्रिज यूनिवर्सिटी के सौजन्य से क्लास थर्ड की स्टूडेंट आले जैहरा को मिला। मुख्य अतिथि एवं स्कूल स्टॉफ ने आले जैहरा को क्रॉस बैंड पहना कर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त छात्रा की ओवर ऑल परफॉर्मेंस को देखते हुए स्टूडेंट ऑफ द ईयर की ट्रॉफी प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त प्री सेक्शन में पीजी के स्टूडेंट आबिद मुर्तजा को स्टूडेंट ऑफ द ईयर का अवार्ड देकर सम्मानित किया गया।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर' अवॉर्ड मिलने के बाद मां तनीज़ फ़ातिमा के साथ जज़ा।

मेरठ सड़क हादसे में सिंगाही के दो नाबालिग समेत तीन लोगों की मौत

बाइक की आमने-सामने से आ रहे एक ट्रैक्टर से जोरदार टक्कर हो गई थी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। थाना क्षेत्र के टांडा बथुआ गांव में उस वक्त मातम पसर गया, जब मेरठ में हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में गांव के तीन लोगों की मौत की खबर पहुंची। मृतकों में दो नाबालिग किशोर भी शामिल हैं, जिससे पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव निवासी अरशद (32) पुत्र जहीर, अलीमुद्दीन (10) पुत्र मुर्शद और ब्रज मोहन (16) पुत्र धरमू, रोजी-रोटी की तलाश में मेरठ के असमाबाद क्षेत्र में गन्ना छिलाई का कार्य करने गए थे। बीती रात तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर अपने कमरे पर लौट रहे थे। इसी दौरान किठौर थाना क्षेत्र में बाग वाला और नंगला के बीच उनकी बाइक की आमने-सामने से आ रहे एक ट्रैक्टर से जोरदार टक्कर हो गई।

हादसा इतना भीषण था कि अरशद और ब्रज मोहन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल अलीमुद्दीन ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। एक ही गांव के तीन लोगों की असमय मौत की खबर जैसे ही परिजनों तक पहुंची, घरों में कोहराम मच गया।बताया जाता है कि मृतक अरशद अपने पीछे पत्नी मुनीषा और चार छोटे बच्चों

को छोड़ गए हैं, जिनका रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के पूर्व प्रधान कृपाशंकर मृतकों के घर पहुंचे और परिजनों को सांत्वना दी।

औने-पौने दाम में बिका बस अड्डा, अब सफर बना सजा

सतहरिया औद्योगिक क्षेत्र में परिवहन सुविधा का संकट गहराया, उद्यमी और आमजन रोज झेल रहे परेशानी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

जौनपुर। औद्योगिक क्षेत्र सतहरिया, जिसे कभी पूर्वांचल के विकास का इंजन बनाने का सपना देखा गया था, आज बुनियादी सुविधाओं के अभाव में उद्यमियों के लिए परेशानी का कारण बन चुका है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि यहां का बस अड्डा मात्र 21 लाख रुपये में बेच दिया गया, जिसका खामियाजा आज हजारों उद्यमी और स्थानीय लोग भुगत रहे हैं।

➪ 21 लाख में बेचा गया बस अड्डा, आज तक नहीं हुआ पुनर्निर्माण
➪ अस्थायी बस स्टॉप शौचालय परिसर में संचालित
➪ कर्मचारियों की तैनाती नहीं, बसें भी नहीं रुकतीं
➪ उद्यमियों को 4 किमी दूर जाकर पकड़नी पड़ती है बस
➪ वर्षों से उठ रही मांग, लेकिन जिम्मेदार मौन

28 जून 1989 को तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने इस औद्योगिक क्षेत्र की आधारशिला रखी थी। उद्देश्य था कि यह क्षेत्र पूर्वांचल का सबसे बड़ा औद्योगिक हब बने।

साथ ही यह क्षेत्र देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के संसदीय क्षेत्र में आने के कारण और भी महत्वपूर्ण माना जाता रहा है।

लेकिन हकीकत यह है कि 36 वर्षों बाद भी यहां मूलभूत परिवहन सुविधा तक विकसित नहीं हो सकी है। स्थायी बस अड्डे का अभाव आज भी जस का तस बना हुआ है, जिससे उद्यमियों और श्रमिकों को रोजाना दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

जानकारी के अनुसार, वर्ष 1997 से पहले इस क्षेत्र का संचालन उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण के पास था। उसी दौरान यहां एक बस अड्डा बनाया गया था, जिसे बाद में सीडा को निःशुल्क सौंप दिया गया। लेकिन आरोप है कि तत्कालीन अधिकारियों ने इस बस अड्डे को भारत पेट्रोलियम और अन्य उद्यमियों को मात्र 21 लाख रुपये में बेच दिया। आज स्थिति यह है कि उस बस अड्डे की जगह करोड़ों की लागत से भी नया निर्माण संभव होगा, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

इसके स्थान पर परिवहन विभाग ने केवल एक अस्थायी बस स्टॉप का बोर्ड लगाकर औपचारिकता पूरी कर दी है।

और भी हैरानी की बात यह है कि यह अस्थायी बस स्टॉप एक शौचालय परिसर में संचालित हो रहा है, जहां न कोई कर्मचारी तैनात है और न ही कोई समुचित व्यवस्था।

उद्यमियों का कहना है कि कई बार हाथ देने के बावजूद बसें यहां रुकती तक नहीं हैं। इस समस्या के चलते पंवारा, उचौरा, भसौट, सरावा और रैहचंदा जैसे आसपास के गांवों के लोगों को करीब चार किलोमीटर दूर मुंगराबादशाहपुर जाकर बस पकड़नी पड़ती है। इससे समय, श्रम और धन तीनों की बर्बादी हो रही है। उद्यमियों का आरोप है कि उद्योग बंधु की बैठकों में यह मुद्दा कई बार उठाया गया, लेकिन हर बार इसे नजरअंदाज कर दिया गया। वहीं जनप्रतिनिधि भी चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे कर चुप हो जाते हैं।

क्या कहते हैं स्थानीय लोग व उद्यमी

> इतने बड़े औद्योगिक क्षेत्र में बस अड्डा न होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। संसाधनों से ही क्षेत्र की पहचान बनती है, लेकिन यहां मूलभूत सुविधा तक नहीं है।
> **विनय कुमार सिंह**
> सामाजिक कार्यकर्ता

> हम लगातार बेहतर परिवहन सुविधा की मांग कर रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अनसुनी कर रहे हैं। यहां पर्याप्त जमीन भी उपलब्ध है, फिर भी बस अड्डा नहीं बन रहा।
> **गुलाब चंद्र पांडेय**
> महामंत्री, आईआईए

> बस सेवा के लिए हमें चार किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। यह हमारे लिए रोज की परेशानी बन गई है।
> **सुनील यादव**
> उद्यमी

> बस अड्डे के लिए अभी तक कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं मिला है। प्रस्ताव मिलने पर उसे आगे बढ़ाया जाएगा। बसों के ठहराव के लिए पत्राचार किया जा रहा है।
> **मो. शारिक हबीब**
> सीडा प्रबंधक

तीन साल से क्षतिग्रस्त स्वागत द्वार के पोल पूर्व विधायक ने निजी खर्च से कराए सही

शिकायतों के बाद भी नहीं हुई सुनवाई, हादसे की आशंका टली तो ग्रामीणों में खुशी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। गजनेर-रायपुर रोड पर नोन नदी पुल के पास स्थित पृथ्वीराज चौहान स्वागत द्वार के दोनों पोल पिछले करीब तीन वर्षों से क्षतिग्रस्त पड़े थे, जिससे हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती थी। क्षेत्रवासियों द्वारा कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो सका। आखिरकार पूर्व विधायक विनोद कटियार ने पहल करते हुए निजी खर्च से पोलों को ठीक कराकर स्वागत द्वार को नया रूप दिलाया, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली है।

जानकारी के अनुसार, करीब छह वर्ष पहले भोगनीपुर विधानसभा क्षेत्र के तत्कालीन विधायक विनोद कटियार ने गजनेर कस्बे के पास नोन नदी पुल पर पृथ्वीराज चौहान स्वागत द्वार का निर्माण कराया था। लगभग तीन वर्ष पूर्व किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से इसके दोनों पोल क्षतिग्रस्त हो गए थे, जिससे द्वार सड़क की ओर झुक गया था। यह मार्ग मुख्य होने के कारण दिनभर भारी वाहनों का आवागमन बना रहता है, जिससे हादसे का खतरा लगातार बना हुआ था।

ग्रामीणों योगेंद्र सिंह, रवि सिंह और विवेक सिंह चंदेल सहित कई लोगों ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई और जनप्रतिनिधियों से भी पोलों को ठीक कराने की मांग की, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद ग्रामीणों ने पूर्व विधायक विनोद कटियार को समस्या से अवगत कराया। पूर्व विधायक ने क्षेत्रवासियों की मांग को गंभीरता से लेते हुए निजी खर्च से कार्य कराने का निर्णय लिया। उन्होंने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त पोलों को सीधा कराया और उनकी मजबूती के लिए निर्माण कार्य कराकर उन्हें सुरक्षित किया। साथ ही, समय के साथ धूमिल पड़ चुके स्वागत द्वार को विनाइल कराकर आकर्षक रूप दिया गया।

स्कूलों में नए सत्र की शुरुआत 'स्कूल चलो अभियान' से गूंज रहे गांव

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। नए शैक्षिक सत्र के पहले ही दिन जनपद के परिषदीय विद्यालयों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। नन्हे-मुन्ने बच्चे खुशी और उमंग के साथ अपने-अपने स्कूल पहुंचे, जहां शिक्षकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसी के साथ 'स्कूल चलो अभियान' का शुभारंभ भी हुआ, जिसके तहत गांव-गांव जनजागरूकता रैलियां निकाली गईं। रैलियों के माध्यम से अभिभावकों को बच्चों का नामांकन कराने के लिए प्रेरित किया गया और परिषदीय विद्यालयों में मिलने वाली निःशुल्क सुविधाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान बच्चों ने हम बच्चों का नारा, शिक्षा अधिकार हमारा, आधी रोटी खाएंगे, स्कूल जरूर जाएंगे और पढ़ी-लिखी लड़की, रोशनी घर की जैसे जागरूकता संदेश देते नारे लगाए।

रैली, प्रवेशोत्सव और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बढ़ा बच्चों व अभिभावकों का उत्साह

सरवनखेड़ा विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय निनायाँ प्रथम, द्वितीय एवं जवाहरलाल नेहरू माध्यमिक विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में न्याय पंचायत स्तर पर जागरूकता रैली निकाली गई। प्राथमिक विद्यालय निनायाँ प्रथम में नवनिर्मित आंगनवाड़ी कक्ष का उद्घाटन भी किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय में वार्षिकोत्सव, अभिभावक बैठक एवं प्रवेशोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास के साथ हुआ। कार्यक्रम में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। वहीं नवप्रवेशी बच्चों का टीका लगाकर एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। जिससे बच्चों और अभिभावकों में खासा उत्साह नजर आया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जवाहरलाल नेहरू माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक जगपाल सिंह ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही समाज को आगे बढ़ाने का सबसे सशक्त माध्यम है।कार्यक्रम का संचालन अनुपम सचान ने किया और अंत में सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।इस मौके पर प्रधानाध्यापक रणवेश कुमार, प्रधानाध्यापिका अनुपम सचान, सहायक अध्यापिकाएं दीप्ती कटियार, रीता सिंह, सोनिका सिंह, मीनाक्षी पासी, शशि तिवारी, आशा पाल, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अंजू, सुधा, रेखा सहित ग्रामवासी आशीष, जगमंती, रीमा, रमा, पूजा, विनोद, अशोक कुमार आदि रहे।

सत्र के पहले दिन बच्चों को मिली किताबें, चेहरे पर आई मुस्कान

» स्कूल चलो अभियान व संचारी रोग जागरूकता रैली निकाली गई

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। सरवनखेड़ा ब्लॉक के उच्च प्राथमिक विद्यालय फतेहपुर रोशनाई में नए सत्र के पहले दिन कक्षा 1 में प्रवेश लेने वाले बच्चों का खंड शिक्षा अधिकारी अजीत प्रताप सिंह ने तिलक लगाकर स्वागत किया और निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें वितरित कीं। किताबें पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

बीईओ ने कहा कि समय पर पुस्तकें मिलने से शिक्षण कार्य सुचारु रूप से चलेगा और ड्रॉपआउट कम होगा। जिला समन्वयक सौरभ श्रीवास्तव ने बताया कि क्यूआर कोड के जरिए दीक्षा ऐप से रुचिकर शिक्षण कराया जा सकता है। अभिभावकों से डीबीटी सुविधाओं का लाभ बच्चों तक पहुंचाने की अपील की गई। इससे पहले स्कूल चलो अभियान और संचारी रोगों से बचाव को लेकर जागरूकता रैली निकाली गई तथा शपथ दिलाई गई। बच्चों ने जादू शो का भी आनंद लिया। कार्यक्रम का संचालन कुसुमलता यादव ने किया। इस दौरान देवेश धर दुबे, अनंत त्रिवेदी, संत कुमार दीक्षित, अजय कुमार गुप्ता, अग्नीश कुमार, अंकित मिश्रा, ऋषभ बाजपेई, महेंद्र कटियार, माधुरी सचान, शशि प्रभा सचान, बीना दीक्षित, नवनीत सचान, अंजलि, सुनीता, मधु, मनोज, हेमलता बाजपेई, साधना शंखवार, सीमा द्विवेदी, अर्चना सचान, अरविंद सिंह, मिथलेश यादव, आरती खरे, इरम हामिद, पूनम सिंह, शिखा सिंह, बैजलाल आदि मौजूद रहे।

वार्षिकोत्सव में मेधावी छात्रों का सम्मान, दिए गए रिपोर्ट कार्ड

» स्वराज इंडिया संवाददाता

औरैया। ब्लॉक औरैया क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय जसवंतपुर में बुधवार को वार्षिकोत्सव एवं रिपोर्ट कार्ड वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं को उनके वार्षिक परीक्षा के अंक पत्र वितरित किए गए।इस दौरान कक्षा 6, 7 एवं 8 के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। बच्चों की सफलता पर अभिभावकों और शिक्षकों ने खुशी जताई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों की उपस्थिति रही। विद्यालय परिवार की ओर से सभी अभिभावकों का सम्मान किया गया, जिससे उनका उत्साह और बढ़ा।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों के लिए चाय, समोसा और शीतल पेय की व्यवस्था की गई। पूरे आयोजन का माहौल उत्साह, गर्व और खुशी से सराबोर रहा। इस अवसर पर इंचार्ज प्रधानाध्यापक मीना कुमारी, सहायक अध्यापक नेहा सिंह एवं मुन्नी देवी सहित विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

जिला बार एसोसिएशन में अवधेश निर्मल ने ली शपथ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिला बार एसोसिएशन में संयुक्त मंत्री (प्रकाशन) पद पर निर्वाचित अवधेश कुमार निर्मल ने मंगलवार को शपथ ग्रहण कर विधिवत कार्यभार संभाल लिया। पूर्व निर्धारित शपथ ग्रहण समारोह 31 मार्च को अस्वस्थता के कारण वे शपथ नहीं ले सके थे।

मंगलवार को आयोजित संक्षिप्त कार्यक्रम में एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई और प्रमाणपत्र प्रदान किया।इस अवसर पर निर्वाचन समिति प्रभारी रमेश चन्द्र सिंह गौर, पूर्व अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव, पूर्व महामंत्री घनश्याम सिंह राठौर, संयुक्त मंत्री जयगोपाल राजपूत, प्रमोद कुमार नायक, श्याम सिंह यादव सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

धधकता जंगल, दहशत में गांव

100 बीघे में भड़की भीषण आग

मकानों व गेहूं की फसल तक पहुंचीं लपटें, दो घंटे बाद फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती। गजनेर थाना क्षेत्र के गुजराइ गांव के समीप बुधवार दोपहर उस वक्त हड़कंप मच गया, जब आबादी से सटे करीब सौ बीघे में फैले बबूल के घने जंगल में अचानक भीषण आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग की लपटें विकराल रूप धारण कर गांव की ओर बढ़ने लगीं, जिससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई। जंगल से सटे खेतों में खड़ी गेहूं की फसल और गांव के किनारे स्थित दीपांकर मिश्रा, अश्वनी बाजपेई व संजय संखवार के मकानों की ओर बढ़ती लपटों ने हालात और भयावह कर दिए। अपनी मेहनत की फसल और घरों को खतरे में देख ग्रामीणों ने तत्काल गजनेर पुलिस व फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस बल व दमकल विभाग मौके पर पहुंचा और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि तब तक करीब पचास बीघे में फैला जंगल जलकर राख हो चुका था। थाना प्रभारी सूर्य प्रताप सिंह ने बताया कि आग की सूचना मिलते ही पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया था और फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

अरहर की फसल जलकर खाक, पेड़-पौधे भी जले

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर तहसील क्षेत्र के मलासा गांव के जंगल में बुधवार दोपहर में अचानक आग लग गई। आग ने पास में स्थित दो किसानों के खेतों में खड़ी अरहर की फसल को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों और ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पौने तीन बीघा अरहर की फसल के साथ जंगल में बड़ी संख्या में पेड़ पौधे भी जलकर नष्ट हो गए।मलासा के पास जंगल में बुधवार को संदिग्ध हालात में आग लग गई। तेज हवा के साथ भड़की आग ने जंगल के पास स्थित मलासा गांव के गोकरन सिंह और शिव करन के खेतों में खडी अरहर की फसल को भी अपनी चपेट में ले लिया। लपटें उठने पर हुई जानकारी के बाद ग्रामीणों ने पुलिस और दमकल विभाग को सूचना देकर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। सूचना मिलने पर भोगनीपुर से दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे। दमकल कर्मियों व ग्रामीणों ने आग पर काबू पाया। इस सम्बन्ध में भोगनीपुर तहसील के उपजिलाधिकारी देवेंद्र सिंह ने बताया है कि मौके पर लेखपाल को भेजा गया था। रिपोर्ट मिल गई है। जल्द ही किसानों ने उचित मुआवजा दिलाया जायेगा।

विकास कार्यों में ढिलाई बर्दाश्त नहीं, सीडीओ का सख्त अल्टीमेटम

» ई-केवाईसी, फैमिली आईडी व फार्मर रजिस्ट्री में तेजी के निर्देश, लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई शुरू

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनपद में विकास कार्यों को गति देने के लिए मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल ने कड़ा रुख अपनाया है। विकास भवन सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने E-KYC, फैमिली आईडी, फार्मर रजिस्ट्री और 15वें वित्त आयोग के तहत चल रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की।सीडीओ ने निर्देश दिए कि सभी योजनाओं में ई-केवाईसी शत-प्रतिशत पूर्ण की जाए, जिससे लाभार्थियों का सत्यापन पारदर्शी तरीके से हो सके। साथ ही फैमिली आईडी के निर्माण और सत्यापन में तेजी लाने तथा छूटे परिवारों का शीघ्र पंजीकरण सुनिश्चित करने को कहा। फार्मर रजिस्ट्री को लेकर उन्होंने कृषि, राजस्व और पंचायत विभागों के बीच समन्वय बढ़ाकर अधिक से अधिक किसानों का पंजीकरण कराने पर जोर दिया।समीक्षा के दौरान अकबरपुर ब्लॉक के सचिव अभिषेक शुक्ला की प्रगति असंतोषजनक मिलने पर उनका स्पष्टीकरण तलब कर प्रतिकूल प्रविष्टि के निर्देश दिए गए। वहीं बिना अनुमति अनुपस्थित सचिव दीपिका यादव और आकाश कुमार ब्रह्मराज का एक दिन का वेतन रोकते हुए स्पष्टीकरण मांगा गया।15वें वित्त आयोग के तहत ग्राम पंचायतों को मिली धनराशि के पारदर्शी उपयोग, कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया गया। सीडीओ ने स्पष्ट किया कि लापरवाही पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में उपायुक्त श्रम रोजगार अशोक कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी विकास पटेल, उप कृषि निदेशक समेत सभी खंड विकास अधिकारी मौजूद रहे।

विकास की तस्वीर बदहाल

लाखों के वाटर कूलर बने 'मवेशी स्टैंड', हाईमास्ट लाइटें बुझीं

जनप्रतिनिधियों की निधि से हुए कामों पर लापरवाही का ताला, शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार बेपरवाह

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद विधानसभा क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों की निधि से कराए गए विकास कार्य बदहाली की भेंट चढ़ते नजर आ रहे हैं। लाखों रुपये खर्च कर लगाए गए वाटर कूलर और हाईमास्ट लाइटें आज बेकार पड़ी हैं, जिससे जनता को उनका कोई लाभ नहीं मिल रहा।

रसूलाबाद विकास खंड के परसादपुरवा गांव में स्थिति बेहद खराब है। यहां लगाए गए वाटर कूलर अब पानी देने के बजाय मवेशी बांधने के काम आ रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, ये कूलर लगने के छह माह के भीतर ही खराब हो गए, लेकिन इन्हें ठीक कराने कोई जिम्मेदार नहीं पहुंचा।

नतीजा, लाखों की लागत से लगाए गए संसाधन पूरी तरह बेकार साबित हो रहे हैं।

इसी तरह सदस्य विधान परिषद अविनाश सिंह चौहान की निधि से लगाई गई हाईमास्ट लाइटें भी निष्क्रिय पड़ी हैं। बड़े-बड़े पोल लगे होने के बावजूद गांवों में अंधेरा पसरा है, क्योंकि खराब लाइटों की सुध लेने वाला कोई नहीं है। ग्राम पंचायत कहिंजरी खुर्द के मजरा पोवा निवासी राम नरेश सिंह ने 23 फरवरी को पीजी पोर्टल पर स्ट्रीट लाइटों की खराब स्थिति और दिन में जलने की शिकायत दर्ज कराई थी। लेकिन तय समय बीतने के बाद भी न तो समस्या का समाधान हुआ और न ही फीडबैक का विकल्प मिला। इससे शिकायत निस्तारण प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

शिकायतकर्ता ने बताया कि जिला पंचायत राज अधिकारी विकास पटेल को कई बार फोन और

व्हाट्सएप के माध्यम से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इससे नाराज होकर उन्होंने पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री को मेल भेजकर अपनी पीड़ा जाहिर की।

वहीं, रसूलाबाद विकास अधिकारी विपुल विक्रम सिंह ने कहा कि वाटर कूलर ग्राम पंचायत को हैंडओवर किए जा चुके हैं, यदि उनकी मरम्मत नहीं हो रही है तो यह पंचायत स्तर की लापरवाही है। उन्होंने हाईमास्ट लाइटों की भी जांच कराने की बात कही। पूरा मामला यह सवाल खड़ा करता है कि आखिर जनता के पैसे से हुए विकास कार्यों की जिम्मेदारी कौन लेगा और इनकी सुध कब ली जाएगी।

पंडोखर सरकार धाम में 30वें महोत्सव का शुभारंभ

धर्म अध्यक्ष के सानिध्य में सनातन संस्कृति की भव्य झलक, 2 अप्रैल से 22 अप्रैल तक विविध धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

झांसी। पंडोखर सरकार धाम (दतिया के पास) में 30वें महोत्सव का शुभारंभ धर्म अध्यक्ष एवं पीठाधीश्वर पं. श्री गुरशरण शर्मा (गुरु जी) के सानिध्य में होने जा रहा है। यह महोत्सव 2 अप्रैल से 22 अप्रैल 2026 तक आयोजित होगा, जिसमें सनातन संस्कृति की भव्य झलक देखने को मिलेगी।महोत्सव के अंतर्गत 2 अप्रैल को मंगल कलश यात्रा के साथ कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। धर्म अध्यक्ष पं. श्री गुरशरण शर्मा ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य सनातन परंपराओं का संरक्षण, समाज में आध्यात्मिक चेतना का प्रसार तथा युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कृति से जोड़ना है।

पूरे महोत्सव के दौरान भजन संध्या, रासलीला, बुंदेली लोकगीत, नाट्य मंचन, कवि सम्मेलन, दंगल, लोकनृत्य और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। देश के विभिन्न हिस्सों से आए कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध करेंगे।

धर्म अध्यक्ष ने कहा कि पंडोखर धाम केवल आस्था का केंद्र नहीं बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक भी है।

उन्होंने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की।आयोजन समिति के अनुसार महोत्सव में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है, जिसके लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। सुरक्षा, साफ-सफाई और यातायात को लेकर विशेष इंतजाम किए गए हैं।

महोत्सव की प्रमुख झलकियां

- 2 अप्रैल- मंगल कलश यात्रा
- 3 से 10 अप्रैल- भजन, लोकगीत, रासलीला
- 11 अप्रैल- नाट्य मंचन
- 14 अप्रैल-सांस्कृतिक संध्या
- 16 अप्रैल- अंतरराष्ट्रीय कवि सम्मेलन व दंगल
- 17 से 22 अप्रैल विशेष सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रम

अपराधों पर अंकुश और पीड़ितों को न्याय दिलाना प्राथमिकता एसपी मृगांक शेखर पाठक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

हमीरपुर/लखनऊ। उत्तर प्रदेश में हुए प्रशासनिक फेरबदल के तहत जनपद हमीरपुर को नया पुलिस अधीक्षक मिल गया है। वर्ष 2019 बैच के आईपीएस अधिकारी मृगांक शेखर पाठक ने बुधवार को हमीरपुर के एसपी पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया। इससे पहले वे अलीगढ़ में एसपी सिटी के पद पर तैनात थे।वहीं, यहां तैनात रहीं एसपी डॉ दीक्षा शर्मा को लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में डीसीपी के पद पर स्थानांतरित किया गया है। डॉ दीक्षा शर्मा ने हमीरपुर में करीब 3 वर्ष 18 दिनों का कार्यकाल पूरा किया, जिसके दौरान उन्होंने कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई।कार्यभार ग्रहण करने के बाद नवागत एसपी मृगांक शेखर पाठक ने पुलिस कार्यालय में फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित थाना प्रभारियों को शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिले में अपराध पर अंकुश लगाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पत्रकारों से बातचीत में एसपी पाठक ने कहा कि पीड़ितों को समय पर न्याय दिलाना, कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखना और अराजक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हर फरियादी की समस्या को गंभीरता से सुना जाएगा और त्वरित समाधान कराया जाएगा।

मूलरूप से गौतम बुद्ध नगर निवासी मृगांक शेखर पाठक को प्रदेश में ईमानदार और तेजतर्रार अधिकारियों में गिना जाता है। उनके आगमन से जिले में कानून व्यवस्था और मजबूत होने की उम्मीद जताई जा रही है।

आबादी की जमीन पर 'धारा 24' का खेल?

» नक्शा पास होने के बावजूद कब्जे का आरोप, प्रशासन पर उठे सवाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। सहादतगंज बायपास स्थित बनबीरपुर हाईवे पर जमीन विवाद ने तूल पकड़ लिया है। पीड़ित रजत जैन का आरोप है कि उन्होंने 1 जनवरी 2024 को जमीन विधिवत खरीदी थी और विकास प्राधिकरण से उसका नक्शा भी स्वीकृत है। इसके बावजूद अब उसी भूमि पर 'धारा 24' लगाकर कब्जा कराने की कार्रवाई की जा रही है।

रजत जैन का कहना है कि संबंधित जमीन आबादी क्षेत्र में आती है, जहां इस तरह की धारा लागू करना ही संदेह के घेरे में है।

उन्होंने अनिल सिंह पर जबरन कब्जा करने का आरोप लगाया है। पीड़ित के मुताबिक मौके पर बाउंड्री निर्माण कार्य जारी है, लेकिन प्रशासन उन्हें ही रोक रहा है, जबकि निर्माण कराने वाले पक्ष से कोई आदेश या अनुमति नहीं मांगी जा रही। उन्होंने सवाल उठाया कि वैध नक्शा होने के बावजूद आखिर किस आधार पर 'धारा 24' लागू की गई।

मेले में 'रोक-टोक' से व्यापार ठप

दुकान तक सामान पहुंचाना बना संकट

» पास व्यवस्था और येलो जोन की बाध्यता से व्यापारी परेशान, प्रशासन से राहत की मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी में मेलों की रौनक जहां श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही है, वहीं स्थानीय व्यापारियों के लिए यही आयोजन मुसीबत बनता जा रहा है। सख्त यातायात व्यवस्था और वाहन एंट्री पर प्रतिबंध के चलते दुकानों तक सामान पहुंचाना बड़ी चुनौती बन गया है।

व्यापारी नेता विनोद श्रीवास्तव का कहना है कि अब हर वाहन के लिए अलग से परमिशन लेनी पड़ रही है, जो केवल येलो जोन से मिलती है।

फोन के जरिए पास कराना भी बेहद मुश्किल साबित हो रहा है। व्यापारी अश्वनी गुप्ता ने तंज कसते हुए कहा कि यह व्यवस्था ÷बिना दूध के दही जमाने÷ जैसी है। समय पर माल न पहुंचने से व्यापार पूरी तरह प्रभावित हो रहा है।

कन्हैया मौर्या ने प्रशासन से संवाद कर समाधान निकालने की अपील की है, वहीं घनश्याम अग्रहरि ने बताया कि बैठक में रेजिडेंट मजिस्ट्रेट स्तर से पास जारी करने पर सहमति बनी थी। अब व्यापारी इस वादे के लागू होने का इंतजार कर रहे हैं, ताकि मेला और व्यापार के बीच संतुलन बन सके।

टोल का 'झटका' या लूट का नया सिस्टम?

श्रद्धालु से लेकर व्यापारी तक बेहाल, हर सफर पर बढ़ा बोझ

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी की राह अब सिर्फ आस्था नहीं, महंगाई का इम्तिहान भी बन गई है। रौनाही टोल प्लाजा पर आधी रात से लागू नई दरों ने यात्रियों की जेब पर सीधा हमला बोल दिया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा बढ़ाए गए टोल शुल्क के बाद अब हर वर्ग कार, बस, ट्रक को ज्यादा कीमत चुकानी पड़ रही है।

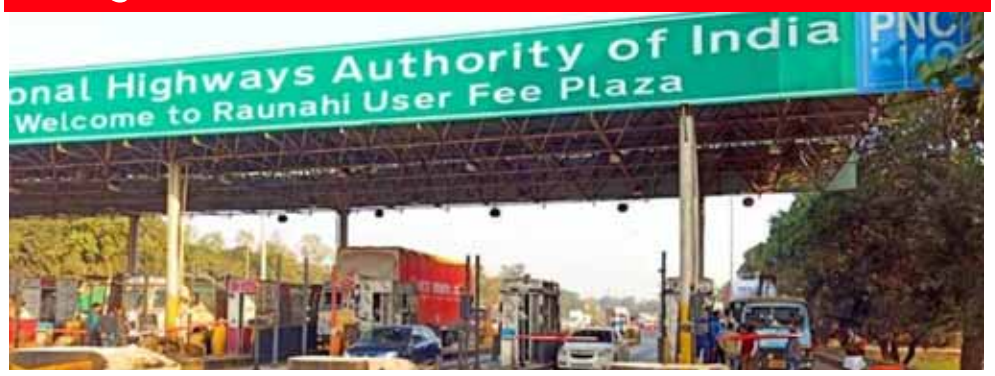

राम मंदिर बनने के बाद जहां श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ी है, वहीं अब उसी रास्ते पर खर्च भी तेजी से बढ़ गया है।

करीब 80 फीसदी श्रद्धालु हाईवे से अयोध्या पहुंचते हैं, ऐसे में यह बढ़ोतरी सीधे आस्था पर 'आर्थिक टैक्स' जैसी महसूस हो रही है। रोजाना सफर करने वालों के लिए यह फैसला 'जेब काटू' साबित हो रहा है। दैनिक यात्री अमित गुप्ता बताते हैं कि हर महीने हजारों रुपये टोल में खर्च होते हैं, अब यह बोझ और बढ़ गया है। वहीं ट्रक चालक अनुपम यादव का कहना है कि टोल बढ़ने से माल ढुलाई महंगी होगी, जिसका असर आम जनता तक पहुंचेगा। टोल प्लाजा पर यात्रियों में नाराजगी साफ दिख रही है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब पहले से ईंधन महंगा है, तो टोल बढ़ाने की क्या जरूरत थी?

टोल दरों में यह बढ़ोतरी निर्धारित प्रक्रिया के तहत की गई है। हर वर्ष मानकों के आधार पर संशोधन होता है, जिससे हाईवे के रखरखाव और बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित की जा सकें।

मनीष सिंह, प्रबंधक
रौनाही टोल प्लाजा

संदीप कुमार राय बने डिप्टी एसपी एसएसपी ने लगाए रैंक प्रतीक

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। पुलिस लाइन में प्रतिसार निरीक्षक पद पर तैनात संदीप कुमार राय के डिप्टी एसपी पद पर पदोन्नत होने पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने उन्हें रैंक प्रतीक लगाकर बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी और एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने संदीप कुमार राय की कार्यशैली और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए उनके नए दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं।

हाईवे पर शीशा तोड़कर चोरी करने वाला गैंग अरेस्ट

» रुदौली पुलिस ने 3 आरोपियों को दबोचा, जेवरात व कार बरामद

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। कोतवाली रुदौली पुलिस ने हाईवे पर खड़ी गाड़ियों का शीशा तोड़कर जेवरात व कीमती सामान चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई।

पुलिस के अनुसार 3 दिसंबर 2025 को लोहिया पुल स्थित यादव होटल के पास खड़ी कार से नकदी व जेवरात चोरी की घटना हुई थी। सीसीटीवी फुटेज व सर्विलांस टीम की मदद से आरोपियों अभिमन्यु, विजय और मल्लिगा (निवासी नई दिल्ली) को पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से मंगलसूत्र, चेन, अंगूठियां, नकदी, चोरी में प्रयुक्त औजार व एक कार बरामद हुई है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि गिरोह नंबर प्लेट बदलकर अलग-अलग जिलों में वारदात करता था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

रिपोर्ट कार्ड वितरण संग छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर जीता दिल

गुरु नानक एकेडमी में वार्षिकोत्सव धूमधाम से सम्पन्न

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। उसरू स्थित गुरु नानक एकेडमी गर्ल्स इंटर कॉलेज में रिपोर्ट कार्ड डे के साथ गुरु नानक एजुकेशन सोसाइटी का 15वां वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं दीप प्रज्वलन से हुआ।

विद्यालय के सीईओ अमनदीप सिंह विशी ने कहा कि ऐसे आयोजन छात्राओं के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। छात्राओं ने छत्रपति शिवाजी महाराज, आचार्य चाणक्य, कलिंग युद्ध, नारी शक्ति, गुरु-शिष्य परंपरा और सम्राट अशोक के जीवन पर आधारित मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें खूब सराहना मिली। इस अवसर पर अतिथियों ने छात्राओं को रिपोर्ट कार्ड वितरित किए और मेधावियों को सम्मानित किया। बड़ी संख्या में मौजूद अभिभावकों ने छात्राओं का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम अनुशासन और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ।

कविता सुनाकर आरुष ने पाया पहला स्थान

अयोध्या। गुरु नानक एजुकेशनल सोसाइटी में आयोजित कविता प्रतियोगिता में एलकेजी के छात्र आरुष पाठक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि से विद्यालय व परिवार में खुशी का माहौल है। आरुष के पिता अपूर्व पाठक ने बताया कि उसे बचपन से ही कविता पढ़ने व सुनाने में विशेष रुचि है। विद्यालय के शिक्षकों ने भी उसकी प्रतिभा और आत्मविश्वास की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर शिक्षिका पूजा यादव, साधना शर्मा, सिलम पांडे, नेहा विश्वकर्मा व मंजू ने भी आरुष को शुभकामनाएं दीं।

राम मंदिर परिसर में हनुमान मंदिर पर ध्वजारोहण आज

» हनुमान जयंती पर भव्य समारोह, अडाणी समेत कई विशिष्ट अतिथि होंगे शामिल

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर की पूर्णता के बाद परिसर में निर्मित विभिन्न मंदिरों में ध्वजारोहण कार्यक्रम क्रमवार आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में चैत्र पूर्णिमा के अवसर पर गुरुवार को परकोटे की दक्षिणी भुजा में बने हनुमान मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया जाएगा। इसके साथ ही हनुमान जयंती भी श्रद्धापूर्वक मनाई जाएगी।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बजरंग दल के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद विनय कटियार शामिल होंगे। वहीं विशिष्ट अतिथियों में जयभान सिंह पवैया, सुरेंद्र जैन, प्रकाश शर्मा समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में उद्योगपति गौतम अडाणी भी सपरिवार शामिल होंगे। सभी अतिथियों को पूर्वाह्न 10 बजे तक रामकोट स्थित तीर्थ क्षेत्र कार्यालय में आमंत्रित किया गया है, जहां से उन्हें मंदिर परिसर ले जाया जाएगा।

ईरान पर निर्णायक वार का दावा, लेकिन खाड़ी में भड़क रही आग

‘मिशन पूरा’ ऐलान के बीच युद्ध और हुआ खतरनाक

वैश्विक तनाव का विस्फोटक मोड़

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

वॉशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष अब उस मोड़ पर पहुंच गया है, जहां जीत के दावे और जमीनी खतरे आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्र के नाम संबोधन में जहां सैन्य अभियान को "लगभग पूरा" बताया, वहीं खाड़ी क्षेत्र में लगातार हो रहे ड्रोन हमलों ने इस दावे पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ट्रंप ने अपने संबोधन में स्पष्ट शब्दों में कहा कि अमेरिकी सेना ने योजनाबद्ध और सटीक हमलों के जरिए ईरान की सैन्य क्षमता को "गंभीर और स्थायी नुकसान" पहुंचाया है। उनके मुताबिक, ईरान की नौसेना, वायुसेना और विशेष रूप से उसका मिसाइल प्रोग्राम अब पहले जैसा खतरा नहीं रहा। उन्होंने कहा, "हमने वह कर दिखाया है, जो दशकों से जरूरी था। हमारा मिशन अब अंतिम चरण में है और हम पीछे हटने से पहले सुनिश्चित करेंगे कि खतरा खत्म हो चुका हो।"

"बलिदान बेकार नहीं जाएगा"

अपने संबोधन के दौरान ट्रंप ने उन 13 अमेरिकी सैनिकों को भी याद किया, जिन्होंने इस संघर्ष में अपनी जान गंवाई। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई सिर्फ रणनीतिक नहीं, बल्कि भविष्य की सुरक्षा की लड़ाई है। उन्होंने दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियारों से लैस होने से रोकना इस अभियान का सबसे बड़ा लक्ष्य है।

युद्ध का अगला चरणः खुला संघर्ष या छुपी लड़ाई?

विशेषज्ञों का मानना है कि यह संघर्ष अब पारंपरिक युद्ध से हटकर एक जटिल और बहुस्तरीय टकराव में बदल रहा है। अमेरिका जहां सीधे सैन्य दबाव के जरिए अपनी बढ़त बनाए रखना चाहता है, वहीं ईरान अप्रत्यक्ष हमलों, ड्रोन तकनीक और प्रॉक्सी नेटवर्क के जरिए जवाब दे रहा है। इससे यह साफ है कि भले ही बड़े हमले कम हो जाएं, लेकिन तनाव और अस्थिरता लंबे समय तक बनी रह सकती है। ट्रंप के ‘मिशन पूरा’ दावे के बावजूद, जमीन पर हालात एक अलग ही कहानी कह रहे हैं। यह युद्ध खत्म होने के बजाय अब एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां हर हमला छोटा दिखेगा, लेकिन उसका असर वैश्विक स्तर पर बड़ा होगा।

सहयोगियों को भरोसा, दुश्मनों को चेतावनी

ट्रंप ने अपने संबोधन में इजरायल, सऊदी अरब, यूएई, कतर, कुवैत और बहरीन जैसे सहयोगी देशों का खुलकर आभार जताया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अमेरिका इन देशों की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएगा। वहीं, ईरान ने भी आक्रामक रुख अपनाते हुए चेतावनी दी है कि अगर अमेरिकी हमले जारी रहे, तो खाड़ी क्षेत्र के ऊर्जा ठिकानों और रणनीतिक परिसंपत्तियों को निशाना बनाया जाएगा। यह चेतावनी वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए भी बड़ा खतरा बन सकती है।

जमीनी हकीकतः खाड़ी में बढ़ता खतरा

ट्रंप के दावों के उलट, मध्य-पूर्व में हालात और ज्यादा विस्फोटक होते जा रहे हैं। ईरान की ओर से ड्रोन हमलों की एक नई लहर ने पूरे खाड़ी क्षेत्र को अस्थिर कर दिया है। कुवैत के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ड्रोन हमले से ईंधन टैंकों में आग के बाद बहरीन और कतर के आसपास संदिग्ध हमलों से सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर हैं। इन घटनाओं ने यह साफ कर दिया है कि ईरान अब सीधे युद्ध के बजाय ‘हिट एंड रन’ रणनीति पर काम कर रहा है, जो कम संसाधनों में अधिक प्रभाव डाल सकती है।

क्या ट्रंप का ‘मिशन पूरा’ दावा रणनीतिक संदेश है?

यह बयान घरेलू राजनीति और अंतरराष्ट्रीय दबाव को साधने की कोशिश हो सकता है। पूरी तरह युद्ध खत्म होने के संकेत अभी नहीं हैं।

ईरान की ड्रोन रणनीति कितनी खतरनाक?

ड्रोन हमले सस्ते, तेज और सटीक होते हैं। इससे बड़े युद्ध के बिना भी भारी नुकसान संभव है।

क्या खाड़ी बन जाएगी अगला युद्धक्षेत्र?

लगातार हमले यह संकेत दे रहे हैं कि संघर्ष अब पूरे क्षेत्र में फैल सकता है, जिससे वैश्विक तेल सप्लाई प्रभावित होगी।

आगे क्या—शांति या लंबी अस्थिरता?

सीधी लड़ाई कम हो सकती है, लेकिन प्रॉक्सी वॉर, साइबर हमले और ड्रोन स्ट्राइक का दौर लंबे समय तक जारी रह सकता है।

- ट्रंप का दावाः मिशन अंतिम चरण में, ईरान की सैन्य क्षमता कमजोर
- 13 अमेरिकी सैनिकों की मौत, घरेलू दबाव बढ़ा
- खाड़ी में ड्रोन हमलों से हालात और बिगड़े
- सहयोगी देशों की सुरक्षा को लेकर अमेरिका अलर्ट
- ईरान की धमकी- ऊर्जा ठिकानों पर हमले संभव
- युद्ध अब ‘लो-इंटेंसिटी कॉन्फ्लिक्ट’ में बदलने के संकेत

सोलर क्रांति में नंबर - 1 बना उत्तर प्रदेश

सूरज से रोशन विकास

स्वराज इंडिया ब्यूरो

लखनऊ। ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और हरित विकास की दिशा में उत्तर प्रदेश ने बड़ी छलांग लगाई है। पीएम सूर्य घर योजना के तहत कनेक्शन देने में प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है। यह उपलब्धि न सिर्फ बिजली संकट के समाधान की ओर मजबूत कदम है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय रोजगार सृजन के लिहाज से भी बेहद अहम मानी जा रही है।

मार्च महीने में ही प्रदेश में 52,729 सोलर रूफटॉप स्थापित किए गए, जो इस योजना की तेज रफ्तार को दर्शाते हैं। राजधानी लखनऊ इस अभियान में सबसे आगे रहा, जहां 7684 सोलर रूफटॉप लगाए गए। वहीं औद्योगिक शहर कानपुर में 3316, वाराणसी में 3122 और बरेली में 2320 रूफटॉप

⇨ पीएम सूर्य घर योजना में यूपी ने रचा इतिहास, लाखों घरों तक पहुंची सस्ती बिजली, बढ़े रोजगार के नए अवसर

इंस्टॉलेशन किए गए। यह आंकड़े बताते हैं कि शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ अन्य जिलों में भी सोलर ऊर्जा को तेजी से अपनाया जा रहा है। प्रदेश के 12 जिलों में 1000 से अधिक सोलर पैनल लगाए जाना इस बात का संकेत है कि यह योजना अब व्यापक जनआंदोलन का रूप ले रही है। आगरा, प्रयागराज, झांसी, रायबरेली, शाहजहांपुर, सहारनपुर, अलीगढ़ और गोरखपुर जैसे जिलों में लोगों की बढ़ती भागीदारी ने इसे और मजबूत बनाया है।

उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (UPNEDA) के निदेशक IAS इंद्रजीत सिंह के अनुसार, "प्रदेश में एक

तरफ ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा मिल रहा है, तो दूसरी ओर सोलर सेक्टर में रोजगार के नए अवसर भी तेजी से बढ़ रहे हैं।" उन्होंने बताया कि सोलर रूफटॉप लगाने के लिए तकनीशियन, इंजीनियर और सप्लाई चेन से जुड़े लोगों की मांग में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को गति मिली है।

विशेषज्ञों का मानना है कि सोलर ऊर्जा अपनाने से उपभोक्ताओं के बिजली बिल में भारी कमी आ रही है। साथ ही, अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में भेजकर आय अर्जित करने का विकल्प भी लोगों को आकर्षित कर रहा है। इससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आर्थिक सशक्तिकरण को बल मिल रहा है।

प्रदेश सरकार की यह पहल क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन के लक्ष्य को भी मजबूती दे रही है। कोयला आधारित बिजली पर निर्भरता घटाकर सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना आने वाले समय में प्रदूषण नियंत्रण और जलवायु परिवर्तन से निपटने में कारगर साबित होगा।

- यूपी देश में पीएम सूर्य घर योजना का सबसे बड़ा लाभार्थी राज्य बना
- मार्च में 52 हजार से अधिक सोलर रूफटॉप इंस्टॉल
- 12 जिलों में 1000+ सोलर पैनल, तेजी से बढ़ती भागीदारी
- सोलर सेक्टर में रोजगार के नए अवसरों का विस्तार
- बिजली बिल में कमी के साथ अतिरिक्त आय का विकल्प
- ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा, पर्यावरण संरक्षण को मजबूती

यह सोलर क्रांति न सिर्फ उत्तर प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बना रही है, बल्कि ÷विकास के नए सूरज÷ की तरह प्रदेश के हर घर को रोशन करने की दिशा में मजबूत आधार भी तैयार कर रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com